उज्जैन
रविवार
23
अगस्त, 2026
मूल्य- 2 रु.
■ वर्ष-12
■ अंक-290
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 ▸ विभागीय जांच में 356 खातों में खेल, 55 रजिस्ट्रियों में गड़बड़ी

7 ▸ भारत की त्रिसा-गायत्री को बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मिला

ईरान ने कहा- अमेरिका ने बातचीत में धोखा दिया; अपना रवैया सुधारे, तभी खुलेगा होर्मुज

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी इलाका बताया है। ट्रम्प इससे पहले 18 अगस्त को भी कह चुके हैं कि अमेरिका जल्द होर्मुज को अपने इलाके के तौर पर घोषित कर सकता है। वहीं ईरान ने ट्रम्प के दावे को खारिज किया है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा कि अमेरिका ने बातचीत, कूटनीति और अपने हस्ताक्षर तक के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि अब ईरान को अमेरिका के साथ अपने बातचीत के तरीके में बदलाव करना होगा। रेजाई ने कहा कि होर्मुज अभी बंद है और अमेरिका के अपना रवैया सुधारने तक नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां और किए गए वादे पूरे करने होंगे।

तमिलनाडु में सरकारी अस्पताल में जन्मे बच्चों को मिलेगी 1 ग्राम सोने की अंगूठी

तमिलनाडु। तमिलनाडु की विजय सरकार 15 सितंबर से सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चों को एक ग्राम की 22 कैरेट सोने की अंगूठी देगी। सरकार ने जून से सितंबर तक के लाभार्थियों के लिए 1,28,499 अंगूठियों का वर्क ऑर्डर जारी किया है। इनका कुल वजन करीब 128.5 किलो और अनुमानित लागत करीब 220 करोड़ रुपए है। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई की जयंती पर थायमामन गोल्ड रिंग स्कीम शुरू की जाएगी। 22 जून 2026 के बाद सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चे इस योजना के पात्र होंगे। सालभर में 4,41,667 अंगूठियां देने के लिए 755.83 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है।

नेस्ले-पेप्सिको समेत कई कंपनियों को 150 नोटिस डोमिनोज के 5 लाइसेंस सस्पेंड

मुंबई। सरकार ने नियमों का पालन न करने पर कई प्रमुख फूड ब्रांड्स और रिटेल चेन के खिलाफ हाल के महीनों में करीब 150 नोटिस जारी किए हैं। भारत की खाद्य सुरक्षा नियामक संस्था एफएसएसएआई ने ये नोटिस भ्रामक विज्ञापनों, झूठे दावों और लेबल से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने पर दिए हैं। जिन कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं। उनमें नेस्ले इंडिया, पेप्सिको, कोका-कोला इंडिया जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत ई-कॉमर्स कंपनियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं केएफसी, मैकडॉनल्ड्स, पिज्जा हट, डोमिनोज और कोस्टा कॉफी जैसे फूड सर्विस ब्रांड्स को भी नोटिस मिले हैं। एफएसएसएआई ने ई-कॉमर्स कंपनियों अमेजन और फ्लिपकार्ट को 12 नोटिस भेजे हैं।

पंजाब सीएम भगवंत मान की पत्नी ने रिटायर्ड जज को नोटिस भेजा

लुधियाना। पंजाब के सीएम भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर पर एक रेप केस दबाने के बदले 5 करोड़ रुपए की कथित रिश्वत मांगने के आरोप लगे हैं। यह आरोप पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज रणजीत सिंह ने लगाए थे। गुरप्रीत कौर ने रिटायर्ड जज को लीगल नोटिस भेजा है। डॉ. कौर ने नोटिस में 24 घंटे के भीतर बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर मानहानि का केस दर्ज कराने की चेतावनी दी है। सीएम भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर ने रिटायर्ड जस्टिस रणजीत सिंह द्वारा लगाए गए 5 करोड़ रुपए के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। डॉ. गुरप्रीत कौर ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए रिश्वतखोरी और रेप का मामला दबाने के आरोप पूरी तरह से झूठे, निराधार और राजनीतिक द्वेष से प्रेरित हैं।

कनाडा पर 20 अरब डॉलर के सामान पर लगेगा 50 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन/टोरंटो। अमेरिका और कनाडा के बीच जारी व्यापारिक तनाव अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। आखिरी समय तक दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चलती रही, लेकिन किसी नतीजे पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद अमेरिका करीब 20 अरब डॉलर के कनाडाई सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की तैयारी में है. इससे पहले से तनावपूर्ण दोनों देशों के रिश्तों में और खटास आने की आशंका है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि कनाडा इस सप्ताह की शुरूआत में तय शर्तों के आधार पर व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तैयार नहीं हुआ। अमेरिका का दावा है कि उसने कनाडा को प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में सबसे बेहतर शर्तों की पेशकश की थी।

पीएम मोदी ने नई भाजपा कार्यकारिणी के साथ बैठक की

नई दिल्ली। पीएम मोदी शनिवार शाम दिल्ली के भाजपा मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम से मुलाकात की। मुलाकात की जानकारी देते हुए पीएम ने एक्स पर लिखा- पार्टी के साथियों के साथ बैठक अच्छी रही। ऐसी बैठकें पार्टी को मजबूत करने और जनता से जुड़ाव पर गहरे विचारों का मंच होती हैं। इससे पहले शनिवार सुबह नए पदाधिकारियों की भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ भी बैठक हुई थी। दरअसल, नई टीम की घोषणा 17 अगस्त को हुई थी। 65 सदस्यीय टीम में राम माधव को उपाध्यक्ष और स्मृति ईरानी को महासचिव बनाकर वापस लाया गया है।

एक साल से ज्यादा चले आंदोलन में सरकार और किसान संगठनों की कशमकश, दांव पर लगा किसान

किसान को राहत नहीं, स्थायी सुरक्षा की दरकार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

किसानों को बार-बार आंदोलनों और संघर्षों के दौर से गुजरने के बजाय ऐसी स्थायी कानूनी व्यवस्था की जरूरत है, जिससे सरकारें बदलने के साथ उनकी समस्याओं और अधिकारों की अनिश्चितता खत्म हो सके। किसान संघर्ष समितियां लंबे समय तक आंदोलन करती हैं, ज्ञापन देती हैं और सड़कों पर उतरकर अपनी मांगों के लिए संघर्ष करती हैं। इस दौरान कई किसान आर्थिक, सामाजिक और मानसिक दबाव भी झेलते हैं।

किसानों का कहना है कि किसी योजना या घोषणा से तत्काल राहत तो मिल सकती है, लेकिन यदि किसानों के हितों को पक्के कानून का संरक्षण नहीं मिला तो भविष्य में फिर वही परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं। सरकार की किसी योजना के आने के बाद एक-दो वर्ष तक किसान राहत महसूस करता है, लेकिन समय बीतने के साथ नई परिस्थितियां और नई समस्याएं सामने आ जाती हैं।

किसान संगठनों का तर्क है कि संघर्ष में बीता समय किसान के लिए दोहरी मार जैसा होता है। एक ओर खेती की लागत, मौसम और बाजार की अनिश्चितता रहती है, वहीं दूसरी ओर अपनी मांगों के लिए आंदोलन करना पड़ता है। कई बार लंबे संघर्ष के बाद सरकार किसी योजना अथवा राहत की घोषणा करती है और आंदोलन समाप्त हो जाता है। लेकिन यदि मूल समस्या का स्थायी समाधान कानून के माध्यम से नहीं किया गया तो कुछ वर्षों बाद किसान फिर उसी स्थिति में पहुंच सकता है।

फिर संघर्ष की नौबत न आए

किसानों की अपेक्षा है कि सरकार ऐसी नीति और कानून बनाए, जिससे उन्हें अपने अधिकारों के लिए बार-बार आंदोलन करने की जरूरत न पड़े। किसानों को योजनाओं की घोषणा से ज्यादा स्थायी सुरक्षा, स्पष्ट अधिकार और जवाबदेह व्यवस्था की दरकार है। यदि किसानों की वर्तमान समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में फिर वही असंतोष उभर सकता है। सवाल केवल आज किसान को राहत देने का नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने का है जिसमें किसान कल भी सुरक्षित रहे और उसे अपने हक के लिए फिर सड़कों पर उतरने की मजबूरी न हो। किसानों की मांगों को लेकर एक साल से अधिक समय तक चले आंदोलन ने सरकार और किसान संगठनों के बीच जारी कशमकश को उजागर किया। लंबी खींचतान के बीच सबसे अधिक असर उस किसान पर पड़ा, जिसके हितों को लेकर आंदोलन शुरू किया गया था। आंदोलन के दौरान किसान को खेती-किसानी के साथ संघर्ष, आर्थिक दबाव और अनिश्चितता का सामना करना पड़ा। सरकार और किसान संगठनों के बीच मांगों को लेकर बातचीत, विरोध और आंदोलन का दौर चलता रहा। किसान संगठन अपनी मांगों पर अड़े रहे, जबकि सरकार की ओर से समाधान के प्रयास और विभिन्न स्तरों पर चर्चाएं होती रहीं। लेकिन एक साल से अधिक समय तक चले संघर्ष ने यह सवाल खड़ा कर दिया कि इस पूरी कशमकश में किसान को आखिर कितना स्थायी लाभ मिला।

आंदोलन लंबा, किसान की परेशानी भी लंबी

- किसान संगठनों के लिए आंदोलन अपनी मांगों को मजबूती से उठाने का माध्यम था, लेकिन आम किसान के लिए यह लंबा संघर्ष आर्थिक और मानसिक दबाव का कारण भी बना। खेती पहले ही मौसम, लागत और बाजार की अनिश्चितताओं से जूझती है। ऐसे में लंबे आंदोलन ने किसान की मुश्किलों को और बढ़ाया।
- किसानों का कहना है कि सरकारें योजनाएं और राहत पैकेज घोषित करती हैं, लेकिन उनका असर कितने समय तक रहेगा, यह स्पष्ट नहीं होता। यदि किसी समस्या के समाधान के लिए किसान को बार-बार आंदोलन करना पड़े तो इसे स्थायी समाधान नहीं माना जा सकता।

योजनाओं से आगे बढ़कर कानून की मांग

- किसानों के बीच अब यह सवाल भी उठ रहा है कि ऐसी व्यवस्था क्यों न बने, जिसमें सरकारें किसी भी परिस्थिति में किसानों के अधिकारों और हितों की अनदेखी न कर सकें। किसान हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को केवल घोषणाओं और योजनाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें स्पष्ट कानूनी अधिकारों में बदलने की मांग जोर पकड़ रही है।
- किसान संघर्ष समितियों का कहना है कि आंदोलन की थकान के बाद मिलने वाली अस्थायी राहत को अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। किसान कुछ वर्षों तक संघर्ष करता है, थकता है, फिर कोई नई योजना आती है और पुरानी पीड़ा पीछे छूट जाती है। लेकिन यदि व्यवस्था में मूल बदलाव नहीं हुआ तो आने वाली पीढ़ी को भी इसी संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है।

अब पक्के कानून की जरूरत

एक साल से ज्यादा चले आंदोलन ने यह सवाल भी सामने रखा है कि किसानों के हितों को केवल सरकारी योजनाओं और घोषणाओं के भरोसे क्यों छोड़ा जाए। किसान संगठनों की मांग है कि प्रमुख किसान हितों को स्पष्ट और मजबूत कानूनी संरक्षण दिया जाए, ताकि सरकार बदलने या परिस्थितियां बदलने के साथ किसानों के अधिकार कमजोर न पड़ें। कई बार किसान लंबे संघर्ष के बाद मिली राहत के बाद आंदोलन से पीछे हट जाता है। समय बीतता है, नई योजनाएं आती हैं और पुरानी समस्याएं भुला दी जाती हैं। लेकिन यदि मूल समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो कुछ वर्षों बाद किसान फिर उसी संकट में पहुंच सकता है।

संघर्ष का सबसे बड़ा बोझ किसान पर

सरकार और किसान संगठनों की राजनीतिक या रणनीतिक कशमकश चाहे जितनी लंबी चले, उसका सबसे बड़ा असर अंततः किसान पर ही पड़ता है। इसलिए जरूरत ऐसे समाधान की है जो आंदोलन समाप्त कराने भर तक सीमित न रहे, बल्कि किसान को भविष्य के संकट से भी सुरक्षा दे। सवाल अब यह है कि किसान को हर कुछ साल बाद आंदोलन के रास्ते पर जाना पड़ेगा या ऐसी पक्की कानूनी व्यवस्था बनेगी, जिससे उसे अपने अधिकारों के लिए बार-बार संघर्ष न करना पड़े।

अभिजीत दीपके के खिलाफ एफआईआर

आरोप- शिक्षकों को धमकाया, सरकारी काम में रुकावट डाली, लातूर के स्कूल में बिना परमीशन घुसे थे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ लातूर

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस ने शनिवार को केस दर्ज किया। दीपके पर लातूर के एक सरकारी स्कूल में बिना परमीशन घुसने, सरकारी काम में रुकावट डालने और शिक्षकों को धमकाने का आरोप है। यह एफआईआर औसा पुलिस स्टेशन में जिला परिषद उर्दू स्कूल की शिक्षिका सय्यद शमशादबानो खैरातअली की शिकायत पर दर्ज की गई।

दीपके का लातूर जिले का दौरा उनके स्कूल ठीक करो अभियान का हिस्सा है। सीजेपी देशभर के सरकार स्कूलों का ऑडिट कर रही है।

स्कूल को बदनाम किया, टीचर्स को धमकी दी

पहला आरोप- बिना अनुमति स्कूल में घुसकर छात्रों से सवाल पूछे अभिजीत दीपके और उनके साथी बिना अनुमति स्कूल में घुस गए। वे छात्रों के बीच बैठ गए और उनसे कई सवाल पूछे। शिकायत में कहा गया है कि इससे पढ़ाई और सरकारी काम में रुकावट आई। सीजेपी नेता ने पूरी घटना का वीडियो भी बनाया और उसे सोशल मीडिया पर साझा किया।

शिक्षकों को निलंबित कराने की धमकी दी

दीपके ने स्कूल को बदनाम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके दौरे के दौरान दूसरे स्कूल के छात्रों को लाकर कक्षाओं में बैठाया गया था। शिकायत में यह भी कहा गया है कि उन्होंने शिक्षकों को निलंबित कराने की धमकी दी।

36 दिन तक जंतर-मंतर पर चला था सीजेपी का प्रदर्शन

दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी ने 20 जून से 25 जुलाई तक, लगातार 36 दिनों तक धरना दिया था। इस दौरान हजारों छात्र, अभिभावक और युवा आंदोलन में शामिल हुए। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हुए और भूख हड़ताल पर बैठे। 20 जुलाई को सीजेपी ने संसद मार्च निकाला। इस दौरान छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। 25 जुलाई को तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सीजेपी ने धरना समाप्त करने की घोषणा की थी।

ऑर्केस्ट्रा देख रहे लोगों को बस ने रौंदा, 5 की मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ बेतिया

बेतिया में हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। लौरिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात करीब 11 बजे तेज रफ्तार बस सड़क किनारे चल रहे ऑर्केस्ट्रा प्रोग्राम में जा घुसी। वहां मौजूद लोगों को रौंद दिया। घटना बेतिया-लौरिया मुख्य मार्ग पर पराउ टोला बनकटवा के पास हुई। हादसे के वक्त बस में 15 पैसेंजर थे। हादसे में 12 से अधिक लोग घायल हैं। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान लौरिया थाना क्षेत्र के बनकटवा निवासी बहादुर महतो, संजय कुमार, भोला दुबे, देवेंद्र दुबे और छांगुर राम के रूप में हुई है।

महिलाओं के खिलाफ तीन तरह से हिंसा : राहुल गांधी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ पुणे

राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में महिलाओं की आजादी और पितृसत्ता के मुद्दे पर एक घंटा 16 मिनट बात की। उन्होंने कहा, 'महिला की पहचान उसके पिता, पति या बेटे से नहीं होती, बल्कि उसकी अपनी पहचान होती है।' मनुस्मृति का जिक्र करते हुए महिलाओं को पिता, पति और बच्चों की संपत्ति मानने वाली सोच को शर्मनाक बताया।

राहुल ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ 3 तरह से हिंसा होती है। पहली- पैदा होते ही हत्या, दूसरी- शारीरिक अत्याचार, तीसरी- आर्थिक बंदिशें। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, नौकरी, संपत्ति और अपने फैसले लेने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए।

राहुल ने छात्राओं से कहा कि वे डरें नहीं, अपनी आवाज बुलंद करें और अपने लिए लड़ें। इस दौरान राहुल ने 5 लड़कियों से बातचीत की।

राहुल ने कहा कि महिलाओं का पिता, पति और बेटे से रिश्ता जरूर है, लेकिन उनकी पहचान उनसे नहीं है। महिलाएं किसी पर आश्रित नहीं हैं और उन्हें स्वतंत्र पहचान के साथ जीना चाहिए। महिलाओं को नियंत्रित करने के चार तरीके हैं- हिंसा, अपमान/अनादर, समय और कंट्रोल।

उज्जैन जिले में भी लागू हुई नई टीएचआर व्यवस्था

स्थानीय स्व-सहायता समूह तैयार कर रहे पोषण आहार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

महिला एवं बाल विकास विभाग की नई टेक होम राशन (टीएचआर) व्यवस्था अगस्त के प्रथम सप्ताह से पूरे प्रदेश के साथ ही उज्जैन जिले में भी लागू कर दी गई है। नई व्यवस्था के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़े पात्र हितग्राहियों को स्थानीय स्तर पर तैयार किया गया पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए स्थानीय स्व-सहायता समूहों को जिम्मेदारी दी गई है।

विभाग के अनुसार प्रदेश में करीब 66.61 लाख हितग्राहियों को नई व्यवस्था का लाभ दिया जा रहा है। उज्जैन जिले में भी आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पात्र बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं तक टीएचआर पहुंचाया जा रहा है। व्यवस्था का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर पोषण आहार तैयार कर उसकी गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

पात्र हितग्राहियों को वर्ष में न्यूनतम 300 दिवस पूरक पोषण सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रावधान है। 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रतिदिन नाश्ता और गर्म पका हुआ भोजन दिया जा रहा है। वहीं 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों तथा गर्भवती और धात्री माताओं के लिए मंगलवार को गर्म पका हुआ भोजन तथा सप्ताह के शेष दिनों में टीएचआर उपलब्ध कराया जा रहा है।

नई व्यवस्था में स्थानीय स्व-सहायता समूहों की भूमिका महत्वपूर्ण है। समूहों द्वारा स्थानीय स्तर पर टीएचआर तैयार किए जाने से महिलाओं को रोजगार और आजीविका से जोड़ने के साथ-साथ हितग्राहियों को स्थानीय स्तर पर पोषण आहार उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

उज्जैन जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से योजना की निगरानी और हितग्राहियों तक नियमित रूप से पोषण सेवाएं पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है।

पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च डालकर ईंट-डंडों से किया हमला

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। यहां कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों को बुरी तरह मारा। घटना 22 अगस्त को दोपहर करीब तीन बजे मुकुंदपुर के जनता विहार इलाके की है। इलाके के बीट स्टाफ हेड कॉन्स्टेबल दिनेश और हेड कॉन्स्टेबल राजेश पेट्रोलिंग और चेकिंग कर रहे थे। पुलिस ने बिना वैध दस्तावेज वाली एक बाइक को जब्त कर थाने में जमा कर लिया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया और ईंट-डंडों से हमला किया।

मुंबई में 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से 2 की मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

महाराष्ट्र के मुंबई में बायकुला से भुलेश्वर लाई जा रही 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा पंडाल से करीब 50 मीटर पहले गिर गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई। पांच लोग घायल हैं। हादसा 22 अगस्त की रात करीब 9:51 बजे बलराम मर्चेंट रोड, जय अंबे चौक के पास हुआ। शुरूआती जांच में सड़क पर कोई बड़ा गड्ढा नजर नहीं आया है। प्रतिमा का संतुलन बिगड़ना हादसे की वजह माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महाराष्ट्र में इस साल गणेशोत्सव 14 सितंबर से शुरू होगा। मुंबई में करीब 10,600 सार्वजनिक गणेश मंडल हैं, लेकिन करीब 2,500 मंडलों ने 10 दिन के उत्सव के लिए अनुमति ली है। पूरे महाराष्ट्र में करीब 28 लाख गणेश प्रतिमाएं स्थापित होने का अनुमान है।

रक्षा-समझौते की आड़ में हथियारों का जखीरा भर रहा पाकिस्तान

तुर्किये से ड्रोन की सप्लाई, दर्जनों सैन्य विमान पहुंचे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इस्लामाबाद

सऊदी और तुर्किये से हुए रक्षा समझौते की आड़ में पाकिस्तान हथियारों का जखीरा बढ़ाता जा रहा है। 19 से 21 अगस्त के बीच करीब 60 घंटे में तुर्किये के दर्जनों सैन्य विमानों ने पाकिस्तान के अलग-अलग एयरबेस पर लैंडिंग और टेकऑफ की। इनमें सी-130 सैन्य परिवहन विमान और ए400एम जंबो मिलिट्री विमान शामिल थे।

रावलपिंडी के नूरखान और कराची के मसरूर एयरबेस पर तुर्किये के सी-130 सैन्य विमानों की लगातार आवाजाही रही। वहीं, तुर्किये का ए400एम विमान भी मुरीद एयरबेस पर पहुंचा। इसकी पहचान कॉल-साइन टीयूएएफ 526 से हुई। इन विमानों से तुर्किये ने पाकिस्तान को ड्रोन की बड़ी खेप पहुंचाई। ड्रोन की सप्लाई रात के अंधेरे में की गई, ताकि सैटेलाइट ट्रैकिंग से गतिविधियों को छिपाया जा सके। तुर्किये से पहुंची ड्रोन की खेप को बहावलपुर और रावलपिंडी की मिलिट्री स्टोरेज फैसिलिटीज में रखा गया है।

पाकिस्तान को एआई-गाइडेड केमांके क्रूज मिसाइल भी मिली

ड्रोन के साथ पाकिस्तान को तुर्किये से एयर-डिफेंस सिस्टम और आधुनिक हथियार भी मिले हैं। इनमें एचक्यू सीरीज या इसी तरह का एयर-डिफेंस/सैम सिस्टम शामिल है।

बायरक्तार टीबी2 ड्रोन: दुनिया के सबसे चर्चित आर्म्ड ड्रोन में शामिल है। रूस इसका इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ कर रहा है।

अकिंसी ड्रोन: भारी पेलोड ले जाने वाला हाई-एंड कॉम्बैट ड्रोन। यह करीब 250 किमी तक की दूरी पर एक्सप्लोसिव पेलोड ले जा सकता है।

केमांके क्रूज मिसाइल: एआई-गाइडेड मिसाइल है, जो खुद टारगेट खोजने की क्षमता रखती है। इसकी रेंज 200+ किमी बताई गई है और इसे ड्रोन से भी लॉन्च किया जा सकता है।

मुनीर ने एदोर्गान को ड्रोन देने के लिए राजी किया

मक्का में हुए रक्षा समझौते के दौरान पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एदोर्गान से ड्रोन देने को कहा था। मुनीर ने बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को काफी नुकसान हुआ था। चीन से पाकिस्तान को जे-सीरीज के लड़ाकू विमान पर्याप्त संख्या में मिल चुके थे, लेकिन इस दौरान उसके ड्रोन का बड़ा हिस्सा खत्म हो गया था।

बलूचिस्तान में बड़े ऑपरेशन की तैयारी में मुनीर

बलूचिस्तान में विद्रोहियों से घिरे मुनीर अब बड़ा सैन्य ऑपरेशन शुरू करने की तैयारी में हैं। इसके लिए सेना की टुकड़ियां रवाना की जा रही हैं। यह कार्रवाई अगले 48 घंटे में शुरू हो सकती है। जुलाई में ऑपरेशन शाबान शुरू करने के बाद भी बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की पकड़ कमजोर हुई है। सेना की 25 से ज्यादा चेकपोस्ट खाली हो चुकी हैं और कई जगहों पर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों का कब्जा है। ईरान सीमा से लगे बलूचिस्तान के इलाकों में भी पाकिस्तानी सेना को लगातार चुनौती मिल रही है।

खबर एक नजर...

कैलाश मानसरोवर की मुक्ति के लिए भारत तिब्बत समन्वय संघ ने लिया संकल्प

उज्जैन। चीन के कब्जे से कैलाश मानसरोवर को मुक्त करवाने को लेकर भारत तिब्बत समन्वय संघ द्वारा शिव मंदिरों में महासंकल्प अभियान के तहत संकल्प लिया जा रहा है। इसी क्रम में उज्जैन के 84 महादेव में 60वें स्थान पर स्थित मातंगेश्वर महादेव मंदिर में संघ की उज्जैन जिला इकाई द्वारा संकल्प लिया गया। संघ के जिलाध्यक्ष मयूर अग्रवाल ने बताया कि देवों के देव महादेव का मूल स्थान कैलाश मानसरोवर चीन के कब्जे में है। वहां जाने के लिए शिवभक्तों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मानसरोवर को मुक्त कराने के लिए संघ द्वारा देशभर में सावन मास में महासंकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रांताध्यक्ष शिवेंद्र तिवारी के मुख्य आतिथ्य में जिला इकाई द्वारा मातंगेश्वर महादेव मंदिर में मानसरोवर के जल से अभिषेक व पूजन कर संकल्प लिया गया। इस मौके पर संघ के राजेश व्यास, भूपेंद्र कहार, जितेंद्र अग्रवाल, नरेश राठौर, अमरीश शुक्ला, पवन तिवारी, कन्हैयालाल घटिया, प्रबोध पांडे, डॉ. मणी मिमरोट और राजेश रावत सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अकाउंटिंग और फाइनेंस में करियर के अवसर बताए

उज्जैन। युवाओं को लेखांकन एवं वित्त क्षेत्र में करियर के अवसरों से परिचित कराने के लिए उज्जैन सीए ब्रांच द्वारा ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज में करियर काउंसलिंग सेमिनार आयोजित किया गया। यह आयोजन देशभर में चल रहे 'करियर इन अकाउंटिंग एंड फाइनेंस फॉर यूथ - सुपर मेगा करियर काउंसलिंग इवेंट' के तहत किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) सहित इस क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों व संभावनाओं की जानकारी देना था।

उज्जैन ब्रांच के चेयरमैन आशीष तोतला ने बताया कि विद्यार्थियों को सीए कोर्स व वित्त क्षेत्र के अवसरों के प्रति जागरूक करने के लिए शिक्षण संस्थानों में लगातार ऐसे कार्यक्रम किए जा रहे हैं। भविष्य में भी शहर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए आयोजन किए जाएंगे। सेमिनार में अरविंद होरा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंसी, लेखांकन और वित्त क्षेत्र की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्हें अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप करियर चुनने के लिए प्रेरित किया।

तंबोला और लक्की ड्रॉ के साथ सक्षम हस्तशिल्प मेले का समापन

उज्जैन। सक्षम हस्तशिल्प मेले का तंबोला और लक्की ड्रॉ के साथ समापन हो गया। समापन समारोह में डॉ. सतिंदर सलूजा और ब्यूटीशियन सोनिया सहगल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान लक्की ड्रॉ खोला गया, जिसमें छह विजेताओं को मोनालिसा ब्यूटी पार्लर की ओर से गिफ्ट वाउचर प्रदान किए गए। मेले की संयोजिका समीक्षा नवीन व्यास ने बताया कि समापन अवसर पर आध्यात्मिक और रोजगार ब्राह्मण महिला इकाई की सभी पदाधिकारी मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन मोना जैन ने किया तथा आभार आध्यात्मिक और रोजगार ब्राह्मण महिला इकाई की अध्यक्ष उमा व्यास ने माना।

मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर में मौके पर हुआ ग्रामीणों की शिकायतों का निराकरण

उज्जैन। आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए चलाई जा रही शासन की अहम योजना 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान' के तहत शुक्रवार को बड़नगर विकासखंड की ग्राम पंचायत सरोला में शिविर आयोजित किया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र सिंह राजपूत की अध्यक्षता में लगे इस शिविर में ग्रामीणों की शिकायतें सुनी गईं और मौके पर ही उनका निराकरण किया गया। प्रभारी एनएमए एमआर मंसूरी ने बताया कि शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्राप्त शिकायतों व आवेदनों की समीक्षा की। नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना गया और आवश्यक कार्यवाही करते हुए उन्हें समाधान की जानकारी दी गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर प्रभावी निराकरण सुनिश्चित कर शासन की जनकल्याणकारी सेवाओं को आमजन के लिए अधिक सुगम और पारदर्शी बनाना है। इस अवसर पर सिविल अस्पताल बड़नगर के प्रभारी डॉ. सूयश श्रीवास्तव, पंचायत सचिव ईश्वर गेहलोत, रोजगार सहायक राकेश पोरवाल, प्रभारी एनएमए एमआर मंसूरी, सीएचओ शिवानी यादव, हेल्थ सुपरवाइजर जगदीश परमार और सेबरीना चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपन्यास 'ढाई इंच पर दौड़ती जिंदगी' का विमोचन आज

उज्जैन। नगर के ख्यात लघुकथाकार और कवि संतोष सुपेकर के प्रथम उपन्यास 'ढाई इंच पर दौड़ती जिंदगी' का विमोचन 23 अगस्त को शाम 4.30 बजे कोठी रोड स्थित प्रेस क्लब में किया जाएगा। यह साहित्यिक समारोह प्रेमचंद सृजनपीठ और सरल काव्यांजलि के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। प्रेमचंद सृजन पीठ के निदेशक मुकेश जोशी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी और मालवी के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शिव चौरसिया करेंगे।

बेटियां बन रही महिला सशक्तिकरण की मिसाल आगे चलकर करेंगी देश का नेतृत्व

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी का 41वां राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, 272 प्रतिभाएं हुईं सम्मानित

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

छात्राएं उच्च अंकों से उत्तीर्ण होकर सम्मानित हो रही हैं, यह महिला सशक्तिकरण की मिसाल है। इन्हीं छात्राओं में से आगे चलकर बेटियां देश का नेतृत्व करेंगी। मैं चाहती हूं कि आने वाले वर्षों में इन्हीं छात्राओं में से कोई प्रोग्राम में गेस्ट बनकर छात्र-छात्राओं को सम्मानित करे। यह बात जिला फॉरेंसिक ऑफिसर भोपाल डॉ प्रीति गायकवाड़ ने होटल इंपीरियल में आयोजित सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के 41वें राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक सैयद आबिद अली मीर ने बताया कि यह समारोह समाजसेवी अब्दुल अजीज एवं पूर्व शासकीय अधिवक्ता मोहम्मद मंसूर आलम झालावाड़ की स्मृति में आयोजित किया गया। अध्यक्षता करते हुए रिटायर्ड जज इंदौर डॉ शमीम अहमद ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देते हैं, छात्र अपना ध्यान पढ़ाई में केंद्रित कर आगे चलकर जज, डॉक्टर, इंजीनियर और खिलाड़ी बनकर प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगे। विशेष अतिथि कोलारस के जेल अधीक्षक डॉ फहीम खान ने कहा कि एक ही मंच पर सभी धर्मों की शिक्षा, खेल, साहित्य, चिकित्सा और समाज सेवा की प्रतिभाओं का सम्मान बेहतरीन मिसाल है।

शिक्षाविद सैयद मकसूद अली देवास ने छात्रों से अर्जुन की तरह लक्ष्य तय कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का आह्वान किया। मोटिवेशनल स्पीकर इंदौर आदिल सईद ने कहा कि सोसाइटी 41 वर्षों से बिना भेदभाव सर्वसमाज की प्रतिभाओं को सम्मानित कर सांप्रदायिक सौहार्द बढ़ाने में नींव का पत्थर साबित हो रही है। समाजसेवी यूनुस लाला मोल्टा एवं इंदौर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ इरशाद खानम ने भी संस्था के रचनात्मक, रक्तदान, पौधारोपण और शिक्षाप्रद कार्यों की सराहना करते हुए मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम संयोजक ने बताया कि समारोह में इंदौर, रतलाम, महू, महिदपुर, जावरा, उन्हेल और देवास की 272 प्रतिभाएं सम्मानित हुईं। कार्यक्रम दो चरणों में हुआ जिसमें पहले चरण में प्रतिभाशाली छात्राओं और दूसरे चरण में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। संयुक्त सचिव आजम खान एवं उपसंयोजक हाजी इस्माइल रंगवाला ने बताया कि छात्र-छात्राओं को शाहाना परवीन अवार्ड और अन्य क्षेत्रों की प्रतिभाओं को मौलाना अब्दुल हादी अवार्ड से नवाजा गया।

धार्मिक महत्व के स्थलों को जोड़ने वाला एक सम्पूर्ण धार्मिक सर्किट रोड विकसित हो सकेगा

श्री काल भैरव मंदिर विकास योजना उज्जैन के समग्र विकास के लिए मील का पत्थर - सुरेंद्र सांखला

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सांखला ने उज्जैन संभाग के संभागायुक्त, जिला कलेक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट कर श्री काल भैरव मंदिर विकास योजना को उज्जैन के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। सुरेंद्र सांखला ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना से न केवल मंदिर क्षेत्र का कायाकल्प होगा, बल्कि उज्जैन में देश-दुनिया से आने वाले धार्मिक पर्यटकों की संख्या में कई गुना वृद्धि होगी।

सुरेंद्र सांखला ने अधिकारियों को सुझाव पत्र सौंपते हुए कहा कि श्री काल भैरव मंदिर तक पहुंचने के वर्तमान में तीन प्रमुख मार्ग हैं - गढ़कालिका से काल भैरव, कालिदास उद्यान से मौसम खेड़ी एवं सेंट्रल जेल से काल भैरव परिसर। सुरेंद्र सांखला ने एक चौथे नवीन एवं अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग का सुझाव दिया है जो श्री काल भैरव मंदिर से हस्तशिल्प विकास निगम कार्यालय होते हुए पुराना भेरूगढ़ नाका तक जाएगा। सुरेंद्र सांखला के अनुसार इस मार्ग के निर्माण से महाकालेश्वर से प्रारंभ होकर गढ़कालिका, काल भैरव, सूर्य मंदिर, सिद्धवट, मंगलनाथ, सांदीपनि आश्रम, खाक चौक होते हुए श्री राम जनार्दन मंदिर तक के पुरातात्विक एवं धार्मिक महत्व के स्थलों को जोड़ने वाला एक सम्पूर्ण धार्मिक सर्किट रोड विकसित हो सकेगा।

सुरेंद्र सांखला ने कहा कि श्री काल भैरव मंदिर विकास योजना का लाभ आगामी सिंहस्थ-2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को मिल सके, इसके लिए समय बहुत कम है। सुरेंद्र सांखला ने सुझाव दिया कि जिस प्रकार देश के अन्य बड़े मंदिरों के विकास के समय श्रद्धालुओं के लिए अस्थायी रूप से प्रवेश प्रतिबंधित कर युद्धस्तर पर कार्य पूर्ण किया गया था, उसी तर्ज पर श्री काल भैरव मंदिर पर भी विकास कार्यों को युद्धस्तर पर पूर्ण किया जाए, जिसमें यातायात व्यवस्था को वन-वे करना भी शामिल हो।

सुरेंद्र सांखला ने किसानों के हित में महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि जिन किसानों की भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, उन्हें उचित एवं सम्मानजनक मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जाए तथा उनके पुनर्वास हेतु नई विकसित योजना में निर्मित होने वाली दुकानों के आवंटन में प्राथमिकता दी जाए। सुरेंद्र सांखला के अनुसार इससे भूमि के बदले किसानों को रोजगार का स्थाई साधन प्राप्त हो सकेगा।

सुरेंद्र सांखला ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में यह क्षेत्र सिंहस्थ मेला क्षेत्र घोषित होने के कारण किसान अपनी जमीनें बेच नहीं पा रहे हैं, जिससे शासकीय गाइडलाइन दर मात्र 75 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर रह गई है, जबकि बाजार मूल्य करोड़ों रुपए प्रति बीघा है। सुरेंद्र सांखला ने कहा कि भूमि अधिग्रहण विकास के लिए आवश्यक है, लेकिन यदि किसानों को उनकी भूमि का उचित मूल्य नहीं मिला तो अनेक किसान परिवार बेघर हो जाएंगे, जो न्यायसंगत नहीं होगा।

84 महादेव दर्शन यात्रा का समापन आज, हेमु कालानी उद्यान में होगा ॐ नमः शिवाय का जाप

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

श्रावण मास में निकाली जा रही चौथी निःशुल्क 84 महादेव दर्शन यात्रा का समापन रविवार को सतराम सिंधी कॉलोनी स्थित झूलेलाल मंदिर के सामने हेमु कालानी उद्यान में होगा। शाम 7 बजे से ॐ नमः शिवाय जाप के पश्चात विशाल सहभोज आयोजित किया जाएगा।

आयोजक ललित लुल्ला और शेशांत चंदेरिया ने बताया कि संस्था संरक्षक नारायण यादव, प्रेरणास्त्रोत महेश परियानी और यात्रा संयोजक वैभव यादव के मार्गदर्शन में इस यात्रा का सफल आयोजन किया गया। गौरतलब है कि 2 अगस्त को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी और भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने इस यात्रा का शुभारंभ किया था। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को रुद्राक्ष की अभिमंत्रित मालाएं भी वितरित की गईं। आयोजकों के अनुसार यात्रा को भतृहरि गुफा के गादीपति रामनाथ महाराज, वाल्मिकी धाम के पीठाधीश्वर उमेश नाथ महाराज, महामंडलेश्वर शैलेशानंद गिरि, ऋणमुक्तेश्वर मंदिर के महावीर नाथ महाराज, गिरीश गुरु (बालक), सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, निगम सभापति कलावती यादव, विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी, हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष ओम जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल और समाजसेवी अभय यादव का विशेष सानिध्य व मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

सिंधु प्रतिभा सम्मान आज, 71 मेधावी विद्यार्थी व शिक्षाविद होंगे पुरस्कृत

सिंधु जागृत समाज द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी होगा आयोजन, बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

सिंधु जागृत समाज द्वारा आज (रविवार) पं. सूर्यनारायण संकुल हॉल कालिदास अकादमी में शाम 4.30 बजे से सिंधु प्रतिभा सम्मान 2026 समारोह आयोजित किया जा रहा है। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी और सिंहस्थ प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल होंगे। इस गरिमामय समारोह में सिंधी समाज के 71 प्रतिभावान विद्यार्थियों सहित समाज के शिक्षाविदों, प्राचार्यों, प्रोफेसरों और व्याख्याताओं का सम्मान किया जाएगा।

कार्यक्रम में सिंधी भाषा और संस्कृति पर आधारित मनमोहक ग्रुप डांस की प्रस्तुतियां होंगी। इसके साथ ही बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। प्रतियोगिता दो वर्गों में होगी, जिसमें पहला समूह 3 से 6 वर्ष और दूसरा 7 से 10 वर्ष के बच्चों का रहेगा।

शाम 4.45 बजे तक कार्यक्रम में पहुंचने वाले परिवारों में से ड्रॉ निकालकर पांच परिवारों को मंच पर पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतिभा सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची कार्यक्रम स्थल पर लगी रहेगी, जहां से विद्यार्थियों को समय पर आकर अपना टोकन प्राप्त करना होगा।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक बच्चों के पंजीयन के लिए पुष्पा कोटवानी, स्वाति गजरानी, डॉ. मीना वाधवानी, भारती सनमुखानी, नीलम माखीजानी, गोपी राजवानी और हर्षा नानवानी से संपर्क कर नाम लिखवाए जा सकते हैं। समाज के अध्यक्ष प्रताप रोहरा, सचिव महेश गंगवानी, महेश परियानी, रमेश समदानी तथा कार्यक्रम संयोजक जयराम सोनेजा और सहसंयोजक जवाहर सनमुखानी, रमेश गजरानी, संजय लालवानी, विनोद लुल्ला, वीर मामनानी, दीपक बेलानी एवं तुलसी राजवानी ने सिंधी समाजजनों से सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया है। कार्यक्रम के पश्चात स्वल्पाहार की व्यवस्था रहेगी।

शंखनाद समिति द्वारा श्रीराम विजय वाटिका पवांसा में हो रहा आयोजन

शिव महापुराण कथा में सुनाई 12 ज्योतिर्लिंग की महिमा, आज सुनाया जाएगा शिव व्रत का महत्व

25 अगस्त को निकलेगी 5 हजार महिलाओं की कलश यात्रा

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

मक्सी रोड पवांसा स्थित शीतल स्कूल के पास श्रीराम विजय वाटिका में शंखनाद समिति द्वारा सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। ज्योतिषाचार्य अजय शंकर तिवारी द्वारा प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक कथा का वाचन किया जा रहा है। कथा के दौरान शनिवार को 12 ज्योतिर्लिंग का प्रसंग सुनाया गया। वहीं रविवार को शिव व्रत कथा के महत्व का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।

समिति के संयोजक आनंद खींची, अध्यक्ष संजय पवार और कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र सिंह गोंड ने बताया कि कथा का विश्राम 24 अगस्त को होगा। इसके अगले दिन 25 अगस्त को पवांसा, पांड्याखेड़ी, नीमनवासा और शंकरपुर क्षेत्र की संयुक्त विशाल कलश व शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में पांच हजार से अधिक महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

कथा के दौरान अतिथि के रूप में एडवोकेट मिश्रीलाल चौधरी, मोहन सिंह ठाकुर, गोपाल सिंह ठाकुर, मनोज तिवारी, सीहोर के युवा नेता हेमंत पटेल, मनोज शर्मा और राजेश दिसावर उपस्थित रहे।

आयोजन को सफल बनाने में समिति के जगदीश सिंह अटल, अनिल सिंह गौड, अनूप सिंह अटल पटेल, भागीरथ सिंह गोंड, समंदर सिंह अटल, संतोष सिंह गोंड, तेज सिंह गोंड, दीप सिंह अटल, अंतर सिंह अटल काला, बंतू सिंह अटल, विजय सिंह अटल, नारायण यादव, जमुनालाल यादव, धर्मदास चावड़ा, पार्षद पुरुषोत्तम मालवीय, सत्यनारायण मालवीय, रमेश सिंह टिरंची, जितेंद्र त्रिवेदी, सुनील सांड, लक्ष्मण सिंह चंदेल, रमेश गुर्जर, बलराम पवार, विशाल त्रिवेदी, तुफान मालवीय, मनीष गिरी, मंडल अध्यक्ष हरीश सोंधिया, पार्षद प्रतिनिधि सतीश राठौर, प्रेम राठौर, रामकृष्ण गुर्जर, दीपक शर्मा और अजीज गोठवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु व क्षेत्रवासी जुटे हुए हैं।

आध्यात्म और सनातन हमारी ऊर्जा- उमेशनाथ महाराज

1000 बच्चों ने 21 लाख बार किया 'ॐ नमः शिवाय' का जाप

श्री हरि आध्यात्मिक सनातन सेवा संस्था का आयोजन, वक्ताओं ने बताया मंत्र और संस्कारों का महत्व

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

सावन माह में नई पीढ़ी को आध्यात्म, संस्कार और सनातन संस्कृति से जोड़ने के लिए श्री हरि आध्यात्मिक सनातन सेवा संस्था द्वारा मारुतिगंज स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र जाप का आयोजन किया गया। यहां लगभग 1000 बच्चों और 50 से अधिक स्टॉफ ने सवा घंटे तक साधना करते हुए करीब 21 लाख बार मंत्र जाप किया।

वाल्मीकि धाम के पीठाधीश्वर व राज्यसभा सांसद उमेशनाथ महाराज के मार्गदर्शन में यह आयोजन विगत 11 वर्षों से सतत रूप से किया जा रहा है। इस अवसर पर सांसद उमेशनाथ महाराज ने कहा कि आध्यात्म और सनातन हमारी ऊर्जा है। हमारी पूजा, प्रार्थना और मंत्र केवल शब्दों का उच्चारण नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में चेतना को जागृत करने का माध्यम हैं। जब मंत्र श्रद्धा, शुद्ध भावना और नियमित साधना के साथ उच्चारित होता है, तो वह व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास, एकाग्रता और संस्कारों का निर्माण करता है। 'ॐ नमः शिवाय' भगवान शिव के प्रति समर्पण, शांति और आत्मचिंतन का अत्यंत सरल व प्रभावी मंत्र है। बच्चों को बचपन से ही मंत्र, संस्कार और भारतीय संस्कृति से जोड़ना आज की आवश्यकता है, क्योंकि संस्कारवान पीढ़ी ही भविष्य में सशक्त समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

संस्था प्रमुख हरि सिंह यादव ने कहा कि बच्चों को केवल संस्कृति के बारे में पढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अपनी संस्कृति पर बोलने, सोचने और प्रश्न करने का अवसर देना भी जरूरी है। इस प्रकार के विचार बच्चों में आत्मविश्वास के साथ-साथ भारतीय जीवन-दर्शन के प्रति समझ विकसित करते हैं।

आनंद विभाग के जिला समन्वयक डॉ. प्रवीण जोशी ने संचालन करते हुए कहा कि आध्यात्मिकता का अर्थ केवल पूजा-पाठ तक सीमित रहना नहीं है। भारतीय सनातन परंपरा में आध्यात्मिकता का उद्देश्य व्यक्ति के विचार, व्यवहार और जीवन-दृष्टि को श्रेष्ठ बनाना भी है। नियमित मंत्र-जाप के साथ यदि बच्चे सत्य, संयम, सेवा, करुणा, प्रकृति-प्रेम और अनुशासन जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं, तो यही सनातन संस्कृति की वास्तविक सार्थकता है।

ज्ञान वर्षा स्कूल के मुकेश पाटीदार ने कहा कि सनातन की शक्ति संस्कारों में है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी निरंतरता है। हजारों वर्षों की परंपरा आज भी मंत्र, संस्कार, परिवार, प्रकृति, सेवा और आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से जीवित है। यदि इन मूल्यों को नई पीढ़ी तक सरल और सहज रूप में पहुंचाया जाए, तो सनातन केवल अतीत की विरासत नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य को दिशा देने वाली जीवन-पद्धति के रूप में और अधिक सशक्त होगा।

उत्कृष्ट विचार रखने वाले विद्यार्थी हुए पुरस्कृत

ॐ नमः शिवाय जाप के साथ बच्चों को सनातन संस्कृति और मंत्र-जाप के महत्व पर विचार व्यक्त करने का अवसर दिया गया। विद्यार्थियों ने मंत्र, ॐकार के महत्व, सनातन के मूल्य और पर्यावरण से इसके संबंध पर अपनी बात रखी। उत्कृष्ट विचार रखने वाली छात्रा रोशनी शर्मा और छात्र सागर शर्मा को पुरस्कृत किया गया। पूरे समय मन लगाकर जाप करने पर दो अन्य बच्चों को भी विशेष पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का आभार विद्यालय की प्राचार्य प्रतिभा पसलावदिया ने माना।

दैनिक ब्रह्मास्त्र

विलम्बो नैव कर्तव्यः आयुर्याति दिने।
न करोति यमः क्षान्तिं धर्मस्य त्वरिता गतिः।।

अर्थ: देरी करना ठीक नहीं है। जीवन दिन-ब-दिन कम होता जा रहा है। यमराज नहीं रुकेगा, धर्म (काल) की गति तेज है। यह बात हमें सिखाते हैं कि हमें अपने जीवन में अधिक से अधिक समय धर्म के नियमों का पालन करने के लिए उपयोग करना चाहिए क्योंकि अंत समय बहुत निकट है और जीवन की मृत्यु के बाद केवल धर्म ही आपका सबसे अच्छा मित्र है।

खबर एक नजर...

इंदौर में सुदामा नगर के मकान में लगी आग

इंदौर। सुदामा नगर इलाके में एक मकान में शनिवार शाम को को आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। 8 टैंक पानी डालने के बाद आग को कंट्रोल लाई जा सकी। फायर ब्रिगेड के मुताबिक घटना सुदामा नगर स्थित स्मृति द्वार के यहां एक मकान की है। यहां पर बैटरी का कुछ काम किया जा रहा था और यहां पर बैटरियां रखी हुई थी। मौके पर पहुंचे एसआई शिवनारायण शर्मा ने बताया कि ग्राउंड से लेकर दूसरी मंजिल तक माल भरा हुआ था। इसमें पुष्टा, कार्टुन, बैटरियां हैं। यह रहवासी इलाका है। हालांकि, जहां पर यह घटना हुई है, वहां कोई नहीं रहता था। मकान मालिक पास ही में रहते हैं। एसआई शर्मा ने बताया कि यहां पर बैटरी के काम के दौरान अचानक बैटरी में आग लग गई। जिसके बाद आग फैल गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने की कोशिश की गई। यहां पर ग्राउंड फ्लोर पर बड़ा हॉल था, जहां पर बैटरी संबंधित काम किया जा रहा था।

कांग्रेसियों को मिला संगठन मजबूत करने का प्रशिक्षण

इंदौर। कांग्रेस के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन शनिवार को हो गया। शिविर के दूसरे दिन कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं को संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने, पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार रहने का प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन के सत्र में कार्यकताओं के प्रशिक्षण, संगठनात्मक विस्तार, जनहित के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाने तथा आमजन से लगातार संवाद स्थापित करने जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। प्रशिक्षण के दौरान कार्यकताओं को संगठन में बेहतर समन्वय, जिम्मेदारियों के प्रभावी निर्वहन और कांग्रेस की विचारधारा को जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर मार्गदर्शन दिया गया। शिविर का समापन अदानीय महेंद्र जोशी ने किया। इस दौरान प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, विवेक तन्खा, सह प्रभारी उषा नायडू, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव, शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे और जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसान परिवार को ऑफिस बुलाया, बंधक बनाकर मारपीट

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में बस खरीद-बिक्री के बहाने किसान और उसके भतीजे को ऑफिस बुलाकर बंधक बनाने और मारपीट का मामला सामने आया है। खुडैल निवासी अशोक पटेल ने पुलिस को बताया कि चीकू यादव ने बस सौदे की बातचीत के लिए उन्हें परदेशीपुरा चौराहा स्थित अपने ऑफिस बुलाया था। अशोक अपने भतीजे करण के साथ वहां पहुंचे। आरोप है कि ऑफिस का दरवाजा अंदर से बंद कर चीकू और उसके साथियों ने दोनों से 1.5 लाख रुपए के पुराने लेन-देन को लेकर मारपीट की। आरोपियों ने धमकी दी कि दो घंटे में रुपए नहीं दिए तो करण को झूठे केस में फंसा देंगे। साथ ही दोनों को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद डर के कारण परिवार ने तत्काल शिकायत नहीं की, बाद में हिम्मत जुटाकर परदेशीपुरा थाने पहुंचा। पुलिस ने चीकू यादव और उसके साथियों के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक चीकू का नाम पहले भी कुछ विवादों में सामने आ चुका है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं।

फायर सेफ्टी के अभाव में ट्रेड सेंटर सील

इंदौर। इंदौर में शनिवार को नगर निगम की टीम ने कार्रवाई की। इंद्रप्रस्थ चौराहे के समीप ट्रेड सेंटर पर नगर निगम के अधिकारियों ने फायर सेफ्टी व्यवस्था का निरीक्षण किया। जांच के दौरान मौके पर आवश्यक अग्नि सुरक्षा इंतजाम नहीं पाए गए, जिसके बाद नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए ट्रेड सेंटर को सील कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यावसायिक संस्थान, मॉल या भवन में फायर सेफ्टी उपकरण और आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आग लगने की स्थिति में फायर एक्सटिंग्विशर, अलार्म, इमरजेंसी एग्जिट और अन्य सुरक्षा साधन लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कार्रवाई लोगों को जागरूक करने का भी संदेश है कि फायर सेफ्टी को नजरअंदाज न करें और समय-समय पर सुरक्षा व्यवस्था की जांच करवाएं। बताया जा रहा है कि ट्रेड सेंटर में करीब 300 दुकानें-ऑफिस है।

इंदौर में 12वीं के छात्र ने फांसी लगाकर जान दी

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र के छोटा बांगड़दा स्थित सुविधा नगर में 12वीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान यशपाल (17), पिता बलीराम के रूप में हुई है। वह मूल रूप से विदिशा जिले का रहने वाला था और इंदौर में अपनी बहन व जीजा के साथ रहकर पढ़ाई कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, यशपाल इंदौर के एक कॉन्वेंट स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ता था। उसके पिता किसान हैं। परिवार में दो बहनें और एक भाई है। यशपाल की बड़ी बहन के साथ उसका जीजा रहता था, जो फाइनेंस का काम करता है। घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। परिजनों ने जब यशपाल को फंदे पर लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी। एरोड्रम पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

नामांतरण घोटाले में डिजिटल जांच से खुलीं कई परतें, सिस्टम में लॉगिन करने वाले का पता नहीं

विभागीय जांच में 356 खातों में खेल, 55 रजिस्ट्रियों में गड़बड़ी

ब्रह्मास्त्र ›› इंदौर

इंदौर नगर निगम के चर्चित नामांतरण घोटाला सामने आने के बाद अब जांच का सबसे बड़ा सवाल नाम किसने बदला से आगे बढ़कर सिस्टम में लॉगिन किसने किया पर अटक गया है। नवंबर 2025 से अप्रैल 2026 के बीच निगम के 356 संपत्ति कर खातों में बिना विधिवत आवेदन नामांतरण और स्वामित्व में बदलाव के मामले सामने आए।

विभागीय जांच में अनियमितताओं की पुष्टि हुई, 350 से ज्यादा संपत्तियों की रजिस्ट्रियां खंगाली गईं, जिनमें 55 में विसंगतियां मिलीं। ऑनलाइन सिस्टम से छेड़छाड़ की तकनीकी जांच एमपी-सीईआरटी को सौंपी गई, लेकिन दो रिपोर्ट के बाद भी किसी एक व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सका।

अब जांच समिति ने साइबर एफआईआर दर्ज कराकर पूरे डिजिटल नेटवर्क की गहराई से जांच कराने की सिफारिश की है।

नामांतरण घोटाले की शुरूआती जांच में 356 संपत्ति कर खातों में बिना विधिवत आवेदन नामांतरण और स्वामित्व में बदलाव के मामले सामने आए थे। निगम की तीन अपर आयुक्तों की समिति ने जांच की और अनियमितताओं की पुष्टि की। इसके बाद संबंधित निगम कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मियों पर कार्रवाई की गई।

मामला केवल निगम के रिकॉर्ड तक सीमित न रहे, इसलिए नामांतरण के आधार पर 350 से अधिक संपत्तियों की रजिस्ट्रियां भी जांच के लिए खंगाली गईं। सीनियर रजिस्ट्रार अमरीश नायडू के मुताबिक इनमें से 55 रजिस्ट्रियों में विसंगतियां सामने आईं, जबकि कुछ रजिस्ट्रियां पूरी तरह सही भी मिलीं।

निगम ने पारदर्शिता के लिए नामांतरण के आधार पर रेंडम तरीके से 350 से अधिक संपत्तियों की रजिस्ट्रियां भी खंगालने की प्रक्रिया शुरू की। इसके लिए पत्र के साथ इसकी पूरी जानकारी रजिस्ट्रार कार्यालय को जांच के लिए दी गई।

नामांतरण के बाद संपत्तियां बिकीं, लीज हुई और लोन भी लिया गया- जांच के दौरान कुछ ऐसे मामले सामने आए जिनमें निगम के रिकॉर्ड में नामांतरण होने के बाद संबंधित संपत्तियों की नई रजिस्ट्री हुई। कुछ संपत्तियों को आगे बेचा गया, कुछ को लीज पर दिया गया, जबकि कुछ मामलों में संपत्ति के आधार पर लोन लेने की जानकारी भी सामने आई। इससे जांच का दायरा अब इस सवाल तक पहुंच गया है कि क्या ऑनलाइन नामांतरण में हुई गड़बड़ी का इस्तेमाल बाद में संपत्ति के वास्तविक कारोबार में किया गया? यदि ऐसा हुआ है तो यह पता लगाना महत्वपूर्ण होगा कि नामांतरण में बदलाव से किसे फायदा मिला।

नामांतरण के बाद किसी ने बेची, किसी ने लीज पर दी संपत्ति

जांच में कुछ ऐसे मामले भी सामने आए जिनमें निगम रिकॉर्ड में नामांतरण होने के बाद संबंधित संपत्तियों की नई रजिस्ट्रियां हुईं। कुछ संपत्तियां आगे बेची गईं, कुछ लीज पर दी गईं और कुछ मामलों में संपत्ति के आधार पर लोन लेने की जानकारी भी सामने आई। यहीं से जांच का दायरा और बढ़ गया। अब यह पता लगाने की कोशिश है कि ऑनलाइन नामांतरण में किए गए बदलावों का इस्तेमाल बाद में संपत्ति के वास्तविक लेन-देन में तो नहीं किया गया और इससे किसी व्यक्ति को आर्थिक फायदा मिला या नहीं। नामांतरण घोटाले की शुरुआती जांच में निगम के 356 संपत्ति कर खातों में बिना विधिवत आवेदन नामांतरण और स्वामित्व में बदलाव की शिकायतों की पड़ताल की गई थी। निगम की तीन अपर आयुक्तों की समिति ने जांच में अनियमितताओं की पुष्टि की। इसके बाद ऑउटसोर्स कर्मचारियों और निगम कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई लेकिन जांच आगे बढ़ी तो मामला केवल संपत्ति कर रिकॉर्ड में नाम बदलने तक सीमित नहीं रहा।

दो हिस्सों में हुई जांच, डिजिटल पहलू एमपी-सीईआरटी को सौंपा

नामांतरण घोटाले की जांच को मुख्य रूप से दो हिस्सों में बांटा गया था। एक ओर संपत्तियों के नामांतरण और राजस्व संबंधी रिकॉर्ड की जांच की गई, जबकि दूसरी ओर ऑनलाइन सिस्टम में हुए बदलावों के तकनीकी पहलू की जांच की गई। तकनीकी जांच में कई जटिल बिंदु सामने आए। इनमें फायरवॉल, क्ढ एड्रेस, सिस्टम लॉग और लॉगिन गतिविधियों की जांच शामिल थी। मामला सामान्य विभागीय जांच से अलग होने के कारण इसे प्रदेश की साइबर सिक्योरिटी टीम एमपी-सीईआरटी को भेजा गया।
एमपी-सीईआरटी ने इस मामले में दो रिपोर्ट प्रस्तुत कीं। दोनों रिपोर्ट का निष्कर्ष यह रहा कि उपलब्ध डिजिटल रिकॉर्ड से किसी एक व्यक्ति को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

नाना ने खरीदी थी क्रिकेट बेटिंग आईटी, दुबई से ऑपरेट हो रहा सट्टा, कई देशों में सर्वर

जीतू-पटवारी के भाई को हिरासत में ले सकती है पुलिस

ब्रह्मास्त्र ›› इंदौर

मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई कुलभूषण उर्फ नाना पटवारी एक बार फिर इंदौर पुलिस के रडार पर हैं। सट्टा-मटका केस में पुलिस उन्हें दोबारा हिरासत में लेकर पूछताछ कर सकती है। नाना के मोबाइल से मिले सट्टा एप के डिजिटल सुरागों का कनेक्शन दुबई तक पहुंचा है।

पुलिस के मुताबिक, नाना के मोबाइल में दो ऑनलाइन सट्टा एप मिले थे। नाना ने क्रिकेट बेटिंग के लिए सौम्य प्रीत शिंदे से क्ळली थी, जिन्हें बाद में डिलीट कर दिया गया। इन्हीं सुरागों से मनीष पमनानी, पिंकेश माहेश्वरी और बंटी असरानी समेत कई लोगों के कनेक्शन सामने आए हैं।

राजेंद्र नगर पुलिस ने शुक्रवार को राहुल निंबोला, सौम्य प्रीत शिंदे और धर्मेंद्र खींची को गिरफ्तार किया। मामले में अब तक 12 आरोपी पकड़े जा चुके हैं और पुलिस ने संगठित सट्टा संचालन के साथ आईटी एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई हैं।

इंदौर डीसीपी जोन-2 नरेंद्र रावत के मुताबिक, पुलिस ने नाना के मोबाइल से मिले डिजिटल साक्ष्यों और अन्य कड़ियों को खंगाला तो बड़े सट्टेबाजों के नाम सामने आए। इनमें मनीष पमनानी, पिंकेश माहेश्वरी और बंटी असरानी सहित अन्य लोगों से जुड़े लिंक की जांच की जा रही है। जांच में सामने आया कि नाना पटवारी को क्रिकेट पर ऑनलाइन सट्टा खेलने के लिए एप्लीकेशन और आईडी उपलब्ध कराने की कड़ी सौम्य प्रीत शिंदे तक पहुंची। पुलिस ने शुक्रवार को शिंदे को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, शिंदे ने अपने मोबाइल नंबर और आईडी से नाना को सट्टा खेलने से संबंधित एप और लिंक उपलब्ध कराए थे। इसी कड़ी के आधार पर पुलिस ने नेटवर्क के दूसरे सदस्यों की भूमिका खंगालना शुरू किया।

अब तक 12 आरोपी गिरफ्तार

एसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया के मुताबिक, जांच के दौरान सामने आए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को पकड़ा गया। आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के साथ इठर की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। संगठित तरीके से सट्टा संचालन और आईटी एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं।
दंडोतिया के मुताबिक, नाना पटवारी का नाम नेटवर्क की कड़ियों से जुड़ने के बाद पुलिस उनकी भूमिका की जांच कर रही है। जांच में जिसके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलेंगे, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जांच में कुछ और नाम भी सामने आए हैं। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

- **दुबई और दूसरे देशों से ऑपरेट हो रहा नेटवर्क-** डीसीपी जोन-2 के मुताबिक, जांच में ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क का विदेशी कनेक्शन भी सामने आया है। गिरोह के कुछ सदस्य दुबई और दूसरे देशों में बैठे सट्टेबाजों के सीधे संपर्क में थे। विदेशी सट्टेबाज एप और वेबसाइट की लिंक अपने एजेंटों और बुकियों तक पहुंचाते थे।
- **शुक्रवार को 3 गिरफ्तारियां, कई कनेक्शन मिले-** डीसीपी जोन-2 ने बताया- शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों में राहुल निंबोला राजेंद्र नगर क्षेत्र का रहने वाला है। सौम्य प्रीत शिंदे की भूमिका नाना तक सट्टा एप और आईडी पहुंचाने की कड़ी के रूप में सामने आई है। वहीं, धर्मेंद्र खींची रावजी बाजार क्षेत्र का पुराना बदमाश बताया गया है। धर्मेंद्र खींची और राहुल निंबोला के विदेश में बैठे सट्टेबाजों से सीधे संपर्क की भी जांच की जा रही है। इसके अलावा जूनी इंदौर के किक्का के कनेक्शन को भी पुलिस खंगाल रही है।

9.15 करोड़ के घोटाले में सिर्फ 1.70 करोड़ ही वसूले

खुफिया सेल ने इंदौर में पकड़ी थी 12.35 करोड़ की गड़बड़ी, वसूली सिर्फ 2.25 करोड़

ब्रह्मास्त्र ›› इंदौर

सरकारी विभागों में वित्तीय गड़बड़ी और गबन के मामलों की पड़ताल करने वाली राज्य वित्तीय खुफिया सेल (एसएफआईसी) की रिपोर्ट में इंदौर में भारी अनियमितताएं उजागर हुई हैं। इंदौर से जुड़ी सेल की 6 निराकृत जांच रिपोर्टों में 12.35 करोड़ रुपए की वित्तीय गड़बड़ी सामने आई थी। इसके मुकाबले अब तक सिर्फ 2.25 करोड़ रुपए की ही वसूली हो सकी है। गबन की गई राशि का करीब 82% हिस्सा (10.10 करोड़ रुपए) अब भी सरकारी खाते में वापस आना बाकी है।

इंदौर का सबसे बड़ा मामला कलेक्टोरेट के बाबू मिलाप से जुड़ा है, जिसमें हाल ही में दो गिरफ्तारियां भी हुई थीं। इसमें राजस्व विभाग और जिला कोषालय के जरिए 9.15 करोड़ रुपए से ज्यादा की गड़बड़ी हुई थी। अब तक 1.70 करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली हो चुकी है, जबकि 7 करोड़ 45 लाख 59 हजार 509 रुपए की वसूली बाकी है। इस मामले में 18 मार्च 2023 को जांच पत्र जारी हुआ था और 30 सितंबर 2025 को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। एफआईआर के साथ विभागीय जांच भी जारी है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय (2.22 करोड़ बाकी): शिक्षा विभाग से जुड़े इस मामले में 2 करोड़ 47 लाख 41 हजार 29 रुपए की गड़बड़ी पकड़ी गई थी। इसमें से केवल 24 लाख 82 हजार 190 रुपए की वसूली हो सकी, जबकि 2.22 करोड़ रुपए से अधिक बकाया हैं। इसकी जांच 4 फरवरी 2026 को शुरू हुई और 1 अप्रैल 2026 को रिपोर्ट सौंपी गई।

इंदौर के सयाजी होटल को हाईकोर्ट से राहत

किचन खोलने के आदेश, खाद्य लाइसेंस निलंबन पर रोक, प्रशासन ने बार लाइसेंस किया सस्पेंड

ब्रह्मास्त्र ›› इंदौर

खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की जद में आए फाइव स्टार सयाजी को शनिवार देर शाम हाईकोर्ट की इंदौर बैंच से बड़ी राहत मिल गई। अर्जेंट हियरिंग के दौरान कोर्ट ने होटल की रसोई तत्काल खोलने के निर्देश दिए और 21 अगस्त को खाद्य लाइसेंस निलंबित करने के प्रशासन के आदेश पर रोक लगा दी।

कोर्ट ने माना कि सामने आई कमियों को दूर करने के लिए होटल को पहले सुधार नोटिस देकर निर्धारित समय देना जरूरी था। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी कार्रवाई के आधार पर जिला प्रशासन ने शनिवार को होटल के एफएल-3 बार लाइसेंस को भी निलंबित कर दिया था। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद इस कार्रवाई का आधार भी प्रभावित हुआ है।

जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त जांच में सयाजी होटल के किचन और खाद्य सामग्री में कई अनियमितताएं मिलने का दावा किया गया था। प्रशासन के अनुसार जांच के दौरान करीब 24 बिंदुओं पर कमियां मिली थीं।

इनमें बिना निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि और बैच नंबर वाले पैक्ड खाद्य पदार्थ,एक्सपायरी डेट वाले उबले आलू, फफूंद लगी मूंगफली, दीमक, घुन और मक्खी लगे चने, किचन में कॉकरोच और चूहों की मौजूदगी, खाद्य सामग्री के रखरखाव में स्वच्छता मानकों की कमी जैसी बातें सामने आने का प्रशासन ने दावा किया था।

प्रशासन का तर्क था कि ऐसी परिस्थितियों में ग्राहकों को असुरक्षित और मानकों के विपरीत खाद्य पदार्थ परोसे जाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सयाजी होटल की ओर से सीनियर एडवोकेट सुमित नेमा, अरुण द्विवेदी और याशिका बोंडवाल ने कोर्ट में पक्ष रखा। उन्होंने तर्क दिया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 और संबंधित विनियमों के तहत कमियां मिलने पर सीधे लाइसेंस निलंबित करने के बजाय पहले सुधार नोटिस जारी किया जाना चाहिए था।

जेब्रा क्रॉसिंग पर लेटी इन्फ्लुएंसर युवती पर एफआईआर

वीडियो वायरल होने के बाद थाने बुलाया, मोबाइल जब्त, बोली- नियम नहीं तोड़ा

ब्रह्मास्त्र ›› इंदौर

इंदौर में ट्रैफिक सिग्नल की जेब्रा क्रॉसिंग पर लेटकर वीडियो बनाने वाली इन्फ्लुएंसर युवती प्रकृति गौर पर एफआईआर दर्ज की गई है। तुकोगंज पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए थाने बुलाया था। इसके बाद धारा 270, 285 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने उसका मोबाइल भी जब्त कर लिया।

जेब्रा क्रॉसिंग का वीडियो सामने आने के बाद इन्फ्लुएंसर ने एक और वीडियो जारी कर घटनाक्रम पर खेद जताया था। उसने कहा था कि कुछ लोग उसके वीडियो को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। उसका दावा था कि यह जानबूझकर नहीं किया गया और वीडियो बनाने के दौरान उसने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन नहीं किया। उसने कहा था कि आगे से सार्वजनिक स्थानों पर वीडियो शूट करते समय वह ज्यादा सावधानी बरतेगी।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की- वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को जांच में लिया था। पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर अपलोड किए गए वीडियो की पहचान की थी।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि वायरल वीडियो में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन दिखाई दिया। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह की ओर से सोशल मीडिया कंटेंट को लेकर जारी प्रिवेंटिव ऑर्डर के तहत भी मामले की जांच की जा रही है।

नियम तोड़ने और जान जोखिम में डालने पर कार्रवाई

- एडिशनल डीसीपी ने कहा कि सोशल मीडिया को रेगुलेट करने के लिए पुलिस कमिश्नर की ओर से लगातार गाइडलाइंस जारी की जा रही हैं। इनके उल्लंघन पर एफआईआर भी दर्ज की जाती है।
- इसके अलावा ट्रैफिक नियम तोड़ने, खुद या दूसरों की जान खतरे में डालने और यातायात बाधित करने पर भी कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि इन्फ्लुएंसर कोई भी हो, नियमों का उल्लंघन मिलने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सांवेर तहसील के सिंहासा गांव के शासकीय माध्यमिक स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद 38 बच्चों की तबीयत बिगड़ी

खाद्य विभाग कर रहा कढ़ी में इस्तेमाल दही-छाछ की जांच

ब्रह्मास्त्र ›› इंदौर

सांवेर तहसील के सिंहासा गांव के शासकीय माध्यमिक स्कूल में शनिवार को मिड-डे मील खाने के बाद 38 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को पेट दर्द, चक्कर और सिरदर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें अरविंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में बच्चों से बातचीत में उन्होंने बताया कि शनिवार को परोसी गई कढ़ी का स्वाद सामान्य नहीं था और वह खराब लग रही थी। घटना के बाद खाद्य विभाग की टीम स्कूल पहुंची और कढ़ी व चावल के सैंपल लिए। अब कढ़ी में इस्तेमाल किए गए दही और छाछ की भी जांच की जा रही है।

अस्पताल में भर्ती आठवीं कक्षा की काजल और खुशी ने बताया कि रोजाना स्कूल में खाना अच्छा मिलता है, लेकिन शनिवार को कढ़ी का स्वाद अच्छा नहीं था। बच्चों के अनुसार भोजन करने के कुछ देर बाद पेट दर्द और अन्य तकलीफ शुरू हुई।

रीना बौरासी बोलीं- सरकार की लापरवाही

बच्चों से मिलने महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी भी अरविंदो अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने कहा कि बच्चों ने उन्हें बताया कि खाना खराब था, जिसे खाने के बाद उल्टी और बुखार की शिकायत हुई। उन्होंने स्कूल के भोजन के साथ पानी की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए और कहा कि यह केवल सांवेर की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की स्थिति है। मंत्री तुलसी सिलावट को सांवेर की जनता ने इतना प्यार दिया, लेकिन वह ध्यान नहीं दे रहे हैं।

दो दिन घर जाकर बच्चों की निगरानी करेगा स्वास्थ्य विभाग- सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी ने बताया कि अस्पताल से बच्चों को डिस्चार्ज कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम अगले दो दिन तक बच्चों के घर जाकर उनकी जांच करेगी और स्वास्थ्य पर निगरानी रखेगी। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल किसी भी बच्चे की हालत गंभीर नहीं है।

भोजन के बाद शुरू हुआ पेट दर्द- शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे बच्चों को मिड-डे मील में कढ़ी-चावल परोसे गए थे। भोजन करने के कुछ देर बाद बच्चों ने पेट दर्द, चक्कर और सिरदर्द की शिकायत की। इसके बाद स्कूल के शिक्षक और ग्रामीण निजी वाहनों से बच्चों को इंदौर के अरविंदो अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार किया गया।

एक्सपायरी खाद्य सामग्री मिलने की आशंका

एक बच्ची के पालक समंदर ने बताया कि यह पहली बार नहीं है, जब स्कूल के मिड-डे मील को लेकर सवाल उठे हैं। उनके मुताबिक, पहले भी नमक की जगह चारे में इस्तेमाल होने वाली दवा का पाउडर खाने में डाले जाने की घटना सामने आई थी। हालांकि, शिक्षकों ने भोजन परोसने से पहले इसे देख लिया था और बच्चों को खाना खाने से रोक दिया गया था। पालक ने आशंका जताई कि इस बार भी एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री के इस्तेमाल से बच्चे बीमार हुए हैं।

स्कूल में आरओ का पानी तक नहीं

स्कूल में आरओ वाटर कूलर की व्यवस्था नहीं है। बोरिंग का पानी टंकी में पहुंचता है और नलों के जरिए बच्चों को पीने के लिए दिया जाता है। बच्चों और पालकों की मांग है कि स्कूल में आरओ वाटर कूलर लगाया जाए। स्कूल में सिंहासा के अलावा मुंडला और बारामील गांव के बच्चे भी पढ़ने आते हैं।

भोपाल में 10 ई-बसें और दौड़ेंगी, कल से संख्या 30

भोपाल। राजधानी भोपाल में 10 इलेक्ट्रिक बसें और दौड़ेंगी। अभी 3 रूट पर 20 बसें चल रही हैं। कल यानी, 24 अगस्त से इनकी संख्या 30 हो जाएगी। इसके बाद हर 10 से 15 मिनट में यात्रियों को बसें मिल जाएंगी। कोलार रोड, बावड़ियाकलां, बैरागढ़, एमपी और आईएसबीटी के बीच बेहतर कनेक्टिविटी हो जाएगी। खास बात ये है कि सभी बसें एमपी नगर से होकर गुजरेंगी। ऐसे में नौकरीपेशा और स्टूडेंट्स के लिए राहत वाली बात है। वर्तमान में ई-बसों को ऐसे 3 रूट पर चलाया जा रहा है, जो शहर के बड़े हिस्से को कवर कर लेती हैं। इनमें बैरागढ़, कोलार रोड, एमपी नगर, न्यू मार्केट, कोलार रोड, बावड़ियाकलां, सलैया, रोहित नगर, अशोका गार्डन, सुभाषनगर, कोहेफिजा, पीर गेट जैसे बड़े इलाके भी शामिल हैं। इनका न्यूनतम किराया 6 से 7 रुपए, जबकि अधिकतम 40 रुपए है। राजधानी में ई-बसों का बेड़ा बढ़ने से यात्रियों की संख्या भी बढ़ी है। पिछले सप्ताह ही 10 बसें और शुरू की गई थी और इसके बाद संख्या बढ़कर 20 हो गई थी। वर्तमान में 10 से 12 हजार यात्री हर रोज ई-बसों में सफर कर रहे हैं।

मिनी ट्रक से टक्कर के बाद जबलपुर-दमोह मार्ग पर बस खाई में पलटी

जबलपुर। जबलपुर-दमोह मार्ग पर कटंगी बायपास के पास गोविंद धाम के समीप एक निजी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। इस हादसे में बस में सवार 40 से अधिक यात्री बाल-बाल बच गए। घटना शनिवार रात 8 से 9 बजे के बीच की है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यह हादसा एक दोपहिया वाहन चालक को बचाने के प्रयास में सामने से आ रहे मिनी ट्रक से टक्कर के बाद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। स्थानीय निवासियों और पुलिस की मदद से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई है। बस और मिनी ट्रक के चालकों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें अस्पताल भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जबलपुर से दमोह जा रही 'मां वैष्णो देवी' कंपनी की बस सामने खड़ी टाटा मिनी ट्रक से टकराई थी। यात्रियों से पूछताछ के आधार पर मामले की जांच की जा रही है ताकि हादसे के सही कारणों का पता चल सके। हादसे के बाद बस कंपनी ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरी बस की व्यवस्था की। सभी यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है और मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से बहाल कर दिया गया है।

शॉर्ट सर्किट से वॉर्मर में आग, 30 बच्चे शिफ्ट किए

छिंदवाड़ा। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल के एसएनसीयू में शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात करीब 1:50 बजे शॉर्ट सर्किट से वार्मर में आग लग गई। इसमें भर्ती तीन नवजात झुलस गए। तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां एक बच्ची की मौत हो गई। दो नवजात का इलाज जारी है। मृत बच्ची चांद के खापा निवासी शिवानी वर्मा की थी। बच्ची की नानी झनल दुलारी ने बताया कि आग लगने के करीब दो घंटे बाद सुबह 4 बजे उन्हें बच्ची के झुलसने की जानकारी दी गई। सिविल सर्जन डॉ. कंचन दुबे ने बताया कि 30 अन्य नवजातों को सुरक्षित दूसरी यूनिट में शिफ्ट किया गया। सभी सुरक्षित हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने नवजात की मौत पर दुख जताते हुए कहा सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। मृत बच्ची के परिजन को 4 लाख की आर्थिक सहायता देंगे। इलाज का खर्च भी शासन उठाएगा।

डंपर के नीचे फंसे बाइक सवार की बचाई जान, पुलिसकर्मी की फुर्ती से हादसा टला

मंडीदीप। मंडीदीप के स्टेशन रोड पर शनिवार शाम एक बड़ा हादसा टल गया। ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस जवान की मुस्तैदी और सूझबूझ से तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आए बाइक सवार की जान बच गई। आरक्षक ने एन मौके पर युवक को खींचकर बाहर निकाल लिया, जिसकी अब हर तरफ तारीफ हो रही है। शनिवार शाम करीब 8 बजे स्टेशन रोड चौराहे पर गाड़ियों की भारी आवाजाही थी। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आकर बाइक सवार अपना संतुलन खो बैठा। मोटरसाइकिल डंपर के पिछले पहिए में फंस गई और युवक सीधा डंपर के नीचे आने ही वाला था। मौके पर मौजूद पुलिस आरक्षक अजय सोलंकी ने बिना एक पल गंवाए फुर्ती दिखाई और युवक को अपनी तरफ खींच लिया। उनकी इस सूझबूझ के कारण युवक बाल-बाल बच गया।

बिना सुरक्षा प्रयोग से छात्र का हाथ झुलसा

जबलपुर। जबलपुर के सत्यप्रकाश स्कूल में एक वैज्ञानिक प्रयोग के दौरान लापरवाही से छात्र का हाथ झुलसने के मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्कूल परिसर में प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने बताया कि पीड़ित छात्र की माता मंजू उपाध्याय ने संगठन से संपर्क कर न्याय की मांग की थी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद भी स्कूल प्रशासन ने मामले पर कोई ध्यान नहीं दिया।

मध्यप्रदेश के 14 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी

जबलपुर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में चेतावनी; भोपाल में हल्की बारिश होगी

ब्रह्मास्त्र ›› भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) और मानसून ट्रफ एक्टिव है। शनिवार को बालाघाट, छतरपुर, नरसिंहपुर, सतना, सीधी, पन्ना समेत कई जिलों में नदी-नाले उफान पर रहे। रविवार को जबलपुर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में भारी बारिश का दौर रहेगा। भोपाल में हल्की बारिश होगी। मौसम केंद्र भोपाल ने अगले 24 घंटे के दौरान श्योपुर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, डिंडौरी और सीधी में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, आलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा,

खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, हरदा, ग्वालियर, गुना, दतिया, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, मंडला, रीवा, सतना, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होगी।

सीधी में बारिश से 104 करोड़ की सड़क बही

इससे पहले शनिवार को भी प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का दौर बना रहा। बारिश के बीच सीधी में करीब छह महीने पहले बनी 104 करोड़ रुपए की सड़क का बड़ा हिस्सा पानी के तेज बहाव में बह गया। पन्ना में उफनती नदी में डंपर बह गया, जबकि सतना में बाइक समेत तीन लोग नाले में बह गए। इनमें दो लोग तैरकर बाहर निकल आए, लेकिन एक व्यक्ति लापता है। पन्ना के धरमपुर थाना क्षेत्र में कालिंजर से अजयगढ़ आ रहा डंपर शहपुरा नदी के तेज बहाव में बह गया। चालक सनी उर्फ रोहित सिंह ने तैरकर अपनी जान बचा ली। सतना जिले के नागौद क्षेत्र के ललचहा-इटमा नाले में शुक्रवार देर रात तेज बहाव के दौरान बाइक समेत तीन लोग बह गए। बालेंद्र सिंह और दीपू पांडेय तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए, जबकि तीसरा व्यक्ति बहकर लापता हो गया।

तीन बार तालाब खंगाला, पॉलीथिन मिली, लेकिन अंडकोष नहीं

हत्या कर किशोर के प्राइवेट पार्ट का किया था सौदा, आरोपियों अकाउंट में किसने किया ट्रांजेक्शन

ब्रह्मास्त्र ›› भोपाल

भोपाल के श्यामला हिल्स इलाके में 17 वर्षीय किशोर की हत्या के बाद उसके अंडकोष काटकर छोटे तालाब में फेंकने के मामले में पुलिस की जांच अब कई दिशाओं में आगे बढ़ रही है।

पुलिस आरोपियों के बैंक खातों और उनके बीच हुए वित्तीय लेन-देन की जानकारी खंगाल रही है। जांच के दौरान मुख्य आरोपी जोहेब के खाते में हाल ही में 12 लाख रुपए क्रेडिट होने की सूचना सामने आई थी। हालांकि पुलिस की तस्दीक में खाते में 12 लाख रुपए जमा होने की पुष्टि नहीं हुई है।

इसके बावजूद पुलिस सभी आरोपियों के बैंक खातों की डिटेल खंगालकर किसी संदिग्ध लेन-देन या बाहरी व्यक्ति से संपर्क की कड़ी तलाश रही है। इन सबके बीच 3 बार छोटे तालाब को खंगाला जा चुका है, लेकिन इसके बाद भी नाबालिग के अंडकोष नहीं मिले हैं। आरोपी घटनाक्रम बताते समय हंस रहे थे और उन्होंने पुलिस के सामने पूरी घटना सामान्य तरीके से बताई। पुलिस अब उनके व्यवहार, आपसी संपर्क और वारदात से पहले तथा बाद की गतिविधियों की भी पड़ताल कर रही है। जांच में यह भी साफ हो गया है कि आरोपियों साजिश 5 तारीख को ही रची। 6 अगस्त की रात को 100 रुपए का लालच देकर नाबालिग को एकांत में ले गए। किलोल पार्क के करीब हत्या की गई।

अंडकोष निकालने के लिए नया शेविंग ब्लेड खरीदा। हत्या के लिए छुरी बुधवारा में रहने वाला एक नाबालिग अपने साथ लेकर पहुंचा था। वहीं पुलिस आरोपियों के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और सोशल मीडिया गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

तीन बार सर्चिंग की सिर्फ पॉलीथिन मिली

हत्या के बाद किशोर के काटे गए अंडकोष पुलिस के हाथ नहीं लगे हैं। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस छोटे तालाब में तीन बार सर्चिंग कर चुकी है। हर बार पुलिस ने उस स्थान के आसपास तलाश की, जहां आरोपियों ने अंग फेंकने की बात बताई थी। सर्चिंग के दौरान पुलिस को एक पॉलीथिन मिली थी। आरोपियों ने दावा किया था कि इसी पॉलीथिन में किशोर के काटे गए अंग बांधकर तालाब में फेंके गए थे। हालांकि पॉलीथिन की जांच में उसमें अंडकोश नहीं मिले। इसके बाद पुलिस के सामने अंगों के तालाब में ही रह जाने या पानी के बहाव के साथ दूसरी जगह पहुंचने की आशंका बनी हुई है। पुलिस को आशंका है कि तालाब में कई दिन तक पड़े रहने के कारण अंडकोष डी-कम्पोज हो गए हों। साथ ही पानी में मौजूद जीव-जंतुओं और कीड़ों द्वारा उन्हें नुकसान पहुंचने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

अब 30-31 अगस्त को होगी बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

ओरछा के होटल राजमहल में जुटेंगे दिग्गज

ब्रह्मास्त्र ›› भोपाल

मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक इस बार ऐतिहासिक नगरी ओरछा में आयोजित होने जा रही है। यह दो दिवसीय बैठक 30 और 31 अगस्त को ओरछा के प्रतिष्ठित राजमहल पैलेस होटल और राजविलास होटल में होगी।

बैठक की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए नेताओं का ओरछा पहुंचने का सिलसिला 29 अगस्त से ही शुरू हो जाएगा, जबकि मुख्य बैठक से पहले 25 अगस्त को एक अहम 'टोली बैठक' भी आयोजित की जाएगी।

शनिवार को ओरछा में संगठन के बड़े पदाधिकारियों ने तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक विशेष बैठक की। इस बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन, प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह और उपाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे। पूरी बैठक की व्यवस्थाओं की मुख्य जिम्मेदारी गौरव रणदिवे और शैलेन्द्र बरूआ को सौंपी गई है, जो सभी इंतजामों की खुद निगरानी कर रहे हैं।

इस कार्यसमिति बैठक के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकार के ऐतिहासिक कामों पर आधारित एक भव्य प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इस प्रदर्शनी को तैयार करने और इसकी पूरी कमान संभालने की जिम्मेदारी पार्टी के वरिष्ठ नेता लोकेन्द्र पाराशर को दी गई है। इसके साथ ही, दो दिवसीय बैठक के दौरान रात्रिकालीन समय में अतिथियों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

ओरछा में 400 कमरों की बुकिंग

बैठक में आने वाले अतिथियों के लिए दो विशेष प्रकार की व्यवस्थाएं की गई हैं। ओरछा रेलवे स्टेशन से लेकर होटल तक नेताओं को ससम्मान पहुंचाने के लिए विशेष परिवहन की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण के साथ होगी, जिसके बाद सभी नेता प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे और फिर अपना पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) कराकर मुख्य सभागार में प्रवेश करेंगे। इस बैठक के लिए ओरछा क्लब एंड रिजॉर्ट, ओरछा पैलेस सहित विभिन्न होटलों में करीब 400 कमरे बुक कराए गए हैं।

करीब 400 नेता होंगे शामिल

इस कार्यसमिति की कुल सदस्य संख्या की बात करें, तो इस बार प्रदेश कार्यसमिति में कुल 106 नियमित सदस्यों को शामिल किया गया है। इसके अलावा, संगठनात्मक संतुलन और वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का लाभ लेने के लिए पार्टी ने 41 विशेष आमंत्रित सदस्यों को भी इस कार्यसमिति का हिस्सा बनाया है। इस तरह मुख्य सूची और आमंत्रितों को मिलाकर यह संख्या करीब 150 के पास पहुंचती है, लेकिन पदेन सदस्यों (सांसद, विधायक और अन्य) को जोड़ने के बाद पूरी बैठक में करीब 350 से 400 नेताओं की मौजूदगी रहेगी।

बैठक के मुख्य मंच पर प्रदेश अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री और राज्य मंत्रिमंडल के तमाम कद्दावर कैबिनेट व राज्य मंत्री इस बैठक का हिस्सा बनेंगे, जिनमें प्रमुख रूप से तुलसीराम सिलावट, गोविंद सिंह राजपूत, विश्वास सारंग, कुंवर विजय शाह, नारायण सिंह कुशवाहा, प्रद्युम्न सिंह तोमर और कृष्णा गौर जैसे दिग्गज अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इनके साथ ही मध्य प्रदेश से आने वाले सभी केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी और राज्य के सभी भाजपा लोकसभा व राज्यसभा सांसद और विधायक भी ओरछा पहुंचेंगे।

बिना मंजूरी प्रवेश, छात्र शून्य फिर भी शिक्षकों पर लुटाए लाखों

ब्रह्मास्त्र ›› मुरैना

जीवाजी विवि से संबद्ध भिंड, मुरैना और दतिया के सरकारी कॉलेजों में शिक्षा व्यवस्था और सरकारी पैसों की बबार्दी का मामला सामने आया है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक 2026 की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी छात्रों के भविष्य और सरकारी खजाने पर लापरवाह बने रहे। बिना बार काउंसिल ऑफ इंडिया की मंजूरी के छात्रों को प्रवेश दिया गया। वहीं, दतिया के बसई कॉलेज में एक भी छात्र न होने के बावजूद अतिथि शिक्षकों को लाखों रुपए बांट दिए गए। ग्वालियर अंचल के किसी भी लॉ कॉलेज के पास नैक ग्रेडिंग' नहीं है। विवि के निर्देश थे कि बीसीआई की अनुमति के बाद प्रवेश दें, लेकिन लॉ कॉलेज दतिया, शिवपुरी, मुरैना ने बिना अनुमति के ही 238 छात्रों को दाखिला दिया।

भिंड: 40 साल पुराने एमजेएस कॉलेज में पूर्व प्राचार्य की लापरवाही से एलएलबी की सीटें 120 से घटकर 60 रह गईं। **मुरैना:** 40 छात्रों पर 1 शिक्षक होना चाहिए, लेकिन यहां 305 छात्रों पर सिर्फ 2 शिक्षक हैं जबकि 7 होने चाहिए। **दतिया:** 140 छात्रों पर सिर्फ 2 शिक्षक हैं, जिससे प्रिंसिपल आशुतोष राय को खुद क्लासेस लेनी पड़ रही है।

छात्र शून्य, फिर भी बांट दिए 34 लाख से अधिक

कैग रिपोर्ट के अनुसार, दतिया के सरकारी कॉलेज बसई में सत्र 2023-24 में कॉमर्स का एक भी छात्र नहीं था, फिर भी दो अतिथि शिक्षकों को रखकर 6.96 लाख रुपये वेतन दिया गया। पूरे कॉलेज (कला व विज्ञान) में कुल सिर्फ 45 छात्र थे, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए 13 अतिथि शिक्षक रख कर साल भर में 34.78 लाख रुपये का मानदेय बांट दिया गया।

दीपशिखा अस्पताल में फायर ऑडिट नहीं, अब कार्रवाई

भोपाल। विद्यानगर स्थित दीपशिखा अस्पताल में शुक्रवार रात लगी आग के मामले में प्रबंधन की गंभीर सुरक्षा लापरवाही सामने आई है। नगर निगम के फायर ऑफिसर सौरभ पटेल ने बताया कि अस्पताल ने एक साल पहले फायर एनओसी ली थी, लेकिन इसके बाद अनिवार्य वार्षिक फायर ऑडिट नहीं कराया गया। हादसे के बाद भी प्रबंधन ऑडिट के दस्तावेज पेश नहीं कर सका। जांच में सामने आया कि अस्पताल में आग बुझाने के उपकरण तो लगे थे, मगर उनका उपयोग करने वाला कोई नहीं था। अब निगम अस्पताल प्रबंधन पर नियमानुसार कार्रवाई करेगा।

नदी के 2 रंग...:कुदरत का विभाजन

बांद्राभान संगम पर एक तरफ मटमैली नर्मदा, दूसरी ओर नीली तवा

ब्रह्मास्त्र ›› जबलपुर

मानसून के अलग-अलग मिजाज के कारण बांद्राभान संगम पर इन दिनों प्रकृति का एक अनोखा नजारा देखने को मिल रहा है। यहां मिलने वाली दो नदियों- नर्मदा और तवा के पानी का रंग पूरी तरह जुदा नजर आ रहा है।

एक तरफ नर्मदा का पानी मटमैला है, तो दूसरी तरफ तवा नदी का पानी बिल्कुल साफ और नीला है। बीते दिनों बारिश थमने से तवा बांध के गेट नहीं खोले गए। बांध में पानी ठहरा रहने से उसकी सारी मिट्टी और गाद तलहटी में बैठ गई। नतीजतन, आगे बहकर आ रहा पानी बिल्कुल छना हुआ और साफ नीला है। संगम स्थल पर दोनों नदियों का पानी आपस में तुरंत मिक्स नहीं होता। तवा के साफ पानी और नर्मदा के गाद वाले पानी के तापमान और घनत्व में बड़ा अंतर है। विज्ञान की भाषा में इसे शियर लेयर कहा जाता है। यही वजह है कि दोनों पानी के बीच एक स्पष्ट विभाजक रेखा (एक बॉर्डर की तरह) साफ नजर आती है।

नर्मदा का मटमैलापन

मंडला और जबलपुर (ऊपरी हिस्सों) में तेज बारिश के कारण मिट्टी का कटाव हुआ है। भारी मात्रा में गाद (सिल्ट) बहकर आने से नर्मदा का पानी मटमैला हो गया है।

ई-अटेंडेंस विवाद:स्कूल शिक्षा विभाग के दफ्तरों में ई-अटेंडेंस से बच रहे कर्मचारी

आदिवासी व बड़े जिलों के दफ्तरों में सबसे ज्यादा लापरवाही

ब्रह्मास्त्र ›› भोपाल

मप्र में ईझअटेंडेंस के दायरे में केवल शिक्षक ही नहीं, कार्यालयीन कर्मचारियों को भी लाया गया है। लेकिन, हालिया रिपोर्ट में यह पता चला है कि कर्मचारी ई-अटेंडेंस को लेकर गंभीर ही नहीं है।

मप्र में ई-अटेंडेंस को लेकर सबसे खराब स्थिति स्कूल शिक्षा विभाग के दफ्तरों और संस्थानों की सामने आई है। विभागीय समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की ई-अटेंडेंस करीब 97 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, लेकिन कार्यालयों और संस्थानों में तैनात कर्मचारियों की उपस्थिति इससे काफी पीछे है। कई कार्यालयों में हर 6 में से एक कर्मचारी ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं कर रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग के 561 कार्यालयों में कुल 5,214 कर्मचारी पदस्थ हैं। इनमें से 4,394 (84%) ने ई-अटेंडेंस दर्ज कराई, जबकि 820 कर्मचारी (16%) या तो पोर्टल पर प्रोफाइल नहीं बना सके या उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे हैं।

इसी तरह विभाग के 61 डाइट, बीएसी और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में कुल 1,178 कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें से 1,140 (97%) कर्मचारियों ने ई-अटेंडेंस दर्ज की, जबकि 38 कर्मचारी (3%) अब भी व्यवस्था से बाहर हैं। विभाग ने कार्यालयों और संस्थानों में लंबित प्रोफाइल तथा अनुपस्थित कर्मचारियों की स्थिति को गंभीरता से लिया गया है।

सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि शेष कर्मचारियों की प्रोफाइल तत्काल तैयार कर उन्हें ई-अटेंडेंस प्रणाली से जोड़ा जाए।

कार्यालयीन और संस्थान स्तर पर ई-अटेंडेंस न लगाने के मामले में ज्यादातर आदिवासी जिलों की स्थिति बेहद खराब पाई गई है। इनमें धार जिले के कार्यालयों में पदस्थ 129 लोक सेवकों में से मात्र 56 ने उपस्थिति दर्ज कराई। यहां 73 कर्मचारी गैर-हाजिर मिले। झाबुआ में 61 में से 34 कर्मचारी, अनूपपुर जिले के दफ्तरों में पदस्थ 55 में से 25 कर्मचारियों ने हाजिरी नहीं लगाई। वहीं ग्वालियर के संभागीय मुख्यालय के कार्यालयों में 306 में से 116 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। मंडला के 154 कर्मचारियों में से 58 गैर-हाजिर मिले। बड़वानी जिले में 123 में से 46 कर्मचारी, सीहोर में के कार्यालयों में 176 में से 62 कर्मचारी गैर-हाजिर रहे।

डिंडोरी के कार्यालयीन स्टाफ में 34 प्रतिशत यानी करीब 44 कर्मचारी उपस्थिति दर्ज कराने से बचते दिखे। इसके अलावा भोपाल के दफ्तरों में 109 (15%), खरगोन में 71 (25%), मुरैना में 75 (27%), बैतूल में 46 (30%) और रतलाम में 44 (19%) कर्मचारी अनुपस्थित मिले हैं।

महंगी शक्कर का असर: एक ग्राहक को सिर्फ 5-10 किलो शक्कर

भोपाल। शक्कर के बढ़ते दाम का असर अब भोपाल के बाजार से लेकर चाय-कॉफी की प्याली तक दिखाई देने लगा है। शहर के कई बड़े रिटेल स्टोर और ऑनलाइन किराना प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को एक बार में सीमित मात्रा में शक्कर दी जा रही है। कहीं 5 किलो तो कहीं 10 किलो तक की सीमा रखी गई है। वहीं, शक्कर की कीमत बढ़ने के कारण कई कैफेटेरिया और चाय-कॉफी सेंटरों ने भी दाम बढ़ा दिए हैं। कुछ जगहों पर चाय-कॉफी की कीमत में करीब 20% तक की बढ़ोतरी की गई है। हालांकि थोक बाजार से फिलहाल राहत की खबर है। थोक व्यापारी गोपाल बाहेती के मुताबिक बाजार में शक्कर का स्टॉक अभी कम नहीं हुआ है। थोक कीमत में पिछले दिनों की तुलना में करीब 2 रुपए प्रति किलो की गिरावट भी आई है। रिटेल बाजार में सीमित मात्रा में शक्कर मिलने से उपभोक्ताओं में आगे कमी की आशंका बढ़ी है। थोक व्यापारियों का कहना है कि मौजूदा स्थिति को स्टॉक की कमी से जोड़ना जल्दबाजी होगी। बाजार में उपलब्धता बनी हुई है और थोक भाव में गिरावट भी इसका संकेत है। 2 हजार क्विंटल खपत, भाव बढ़े तो सीधा असर बाहेती के मुताबिक भोपाल में रोज करीब 2 हजार क्विंटल यानी 2 लाख किलो शक्कर की खपत है। इसमें घर, होटल, रेस्टोरेंट, कैफेटेरिया, मिठाई दुकानें, बेकरी और चाय-कॉफी कारोबार शामिल हैं।

मेरी फिल्में नहीं चल रही थीं :धुरंधर की कामयाबी पर भावुक हुए रणवीर सिंह

धुरंधर की जबरदस्त कामयाबी ने रणवीर सिंह को भावुक कर दिया है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह फिल्म को मिले प्यार और सपोर्ट की बात करते हुए भावुक नजर आए। रणवीर ने खास तौर पर अंबानी परिवार और जियो स्टूडियोज का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने फिल्म पर भरोसा जताया।

अपने करियर के इस खास पड़ाव पर रणवीर ने उस समर्थन और प्रोत्साहन को याद किया, जो उन्हें फिल्म के सफर में मिला। वीडियो में उनके चेहरे पर भावुकता साफ नजर आती है। उनके लिए ह्यधुरंधरह्ल की सफलता सिर्फ बॉक्स ऑफिस की जीत नहीं, बल्कि भरोसे और साथ की जीत भी है। रणवीर सिंह ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए धुरंधर को मिले प्यार पर प्रतिक्रिया दी है। वीडियो में वह फिल्म के सफर और उसे मिले समर्थन की बात करते हुए भावुक दिखाई देते हैं।

अंबानी परिवार का किया खास जिक्र

रणवीर ने फिल्म को मिले प्यार, समर्थन और प्रोत्साहन के लिए अंबानी परिवार का खास तौर पर आभार जताया। उन्होंने इस सपोर्ट को अपने लिए बेहद खास बताया। साथ ही जियो स्टूडियोज का शुक्रिया अदा किया, जिसने धुरंधर जैसे बड़े प्रोजेक्ट पर भरोसा किया।

रणवीर के लिए सिर्फ फिल्म नहीं, भावनात्मक सफर

धुरंधर रणवीर के लिए महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट रहा है। फिल्म में रणवीर सिंह ने हमजा अली मजारी नाम के एक अंडरकवर जासूस का किरदार निभाया है। बाद में पता चलता है कि उसका असली नाम जसकीरत सिंह रांगी है, जिसे एक बेहद खतरनाक डीप-कवर मिशन पर भेजा जाता है। कहानी में एक्शन, जासूसी और राजनीतिक घटनाक्रम को जोड़ा गया है। फिल्म का निर्देशन आदित्य धर ने किया है। इसमें रणवीर के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना और आर. माधवन जैसे कलाकार नजर आए। कहानी को दो हिस्सों में बनाया गया, जिसमें पहला पार्ट बड़े क्लिफहैंगर पर खत्म हुआ।

दूसरे पार्ट में आगे बढ़ी कहानी

धुरंधरः द रिवेंज में रणवीर का किरदार अपनी पहचान बदलकर पाकिस्तान के अपराध और राजनीतिक नेटवर्क के भीतर काम करता दिखाई देता है। कहानी में मिशन के साथ बदला, विश्वासघात और निजी नुकसान का भावनात्मक पहलू भी जुड़ता है।

दावाः दीपिका-संदीप की मुलाकात में बिगड़ी बात, स्पिरिट से बाहर होने की वजह आई सामने

प्रभास स्टारर स्पिरिट से दीपिका पादुकोण के अलग होने का विवाद फिर सुर्खियों में है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट में घटनाक्रम से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल सूत्र के हवाले से दावा किया गया है कि दीपिका ने डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा से सिर्फ एक बार मुलाकात की थी। इस मुलाकात में वांगा करीब एक घंटे देर से पहुंचे और दीपिका को फिल्म की पूरी कहानी के बजाय सिर्फ वन-लाइन आइडिया बताया गया।

सूत्र के मुताबिक, दीपिका पूरी नैरेशन के बिना किसी फिल्म को कमिट नहीं करतीं। ऐसे में उस समय स्पिरिट उनकी कंसिडरेशन लिस्ट में थी ही नहीं। प्रॉफिट शेयर और दूसरी मांगों को लेकर सामने आए दावों के बीच यह नया खुलासा मामले को और पेचीदा बना रहा है।

स्पिरिट में प्रभास के साथ पहले दीपिका पादुकोण के काम करने की खबरें थीं। बाद में वह इस प्रोजेक्ट से अलग हो गईं और तृप्ति डिमरी को फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया। अब सामने आई रिपोर्ट में घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने दावा किया है कि दीपिका और संदीप रेड्डी वांगा की मुलाकात सिर्फ एक बार हुई थी। सूत्र के मुताबिक, इस मीटिंग में संदीप करीब एक घंटे देर से पहुंचे थे। इसके बावजूद दीपिका ने मीटिंग प्रोफेशनल तरीके से पूरी की।

सूत्र के मुताबिक, उस मुलाकात में दीपिका को ह्यस्पिरिटह्ल की सिर्फ वन-लाइन कहानी बताई गई थी। उन्हें फिल्म का पूरा नैरेशन नहीं दिया गया था।

रिपोर्ट में सूत्र ने दावा किया कि दीपिका किसी फिल्म को तब तक कमिट नहीं करतीं, जब तक उन्हें पूरी कहानी सुनाई न जाए। इसलिए उस समय ह्यस्पिरिटह्ल को लेकर दीपिका की तरफ से कोई पक्की प्रतिबद्धता नहीं थी।

फिल्म से उनके बाहर होने को लेकर सामने आई अलग-अलग वजहों के बीच यह दावा एक अलग तस्वीर पेश करता है।

करीना कपूर खान प्रेग्नेंट नहीं हैं:तीसरी बार मां बनने की अफवाहों को टीम ने बताया गलत

ननद सबा बोलीं- कुछ बातें प्राइवेट रहने देना चाहिए

एक्ट्रेस करीना कपूर खान के तीसरी बार प्रेग्नेंट होने की खबरों को उनकी टीम ने गलत बताया है। सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी की अफवाहें फैलने के बाद टीम ने इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में इसकी पुष्टि की कि करीना प्रेग्नेंट नहीं हैं। शुक्रवार को मुंबई से करीना का एक वीडियो सामने आया था। इसके बाद लोगों ने कयास लगाए कि वह तीसरी बार मां बनने वाली हैं।

वायरल क्लिप में करीना कपूर अपनी कार की ओर जाती दिखीं। उनके साथ उनकी टीम के कुछ सदस्य्य भी चल रहे थे।

एक जगह टीम का एक सदस्य करीना के सामने छाता कर देता है, जिससे पैपराजी उन्हें ठीक से नहीं देख पाते। वीडियो में उनका लुक और कैमरों से बचाने की कोशिश देखकर सोशल मीडिया पर उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा शुरू हुई। करीना का वीडियो सामने आने के बाद कई फैंस ने कमेंट सेक्शन में सवाल किए। एक व्यक्ति ने लिखा, ह्लएक पल के लिए मुझे लगा कि यह उनका तीसरा बच्चा है।ह्व दूसरे ने पूछा, ह्लक्या वह प्रेग्नेंट हैं?ह्व एक और कमेंट में लिखा गया, ह्ललगता है बेबी बंप है यार।ह्वकरीना कपूर खान और सैफ अली खान पहले से दो बेटों के माता-पिता हैं। उनके बेटे तैमूर 9 साल के और जेह अली खान 5 साल के हैं। वहीं, शनिवार को करीना की ननद सबा अली खान पटौदी ने इंस्टाग्राम पर करीना कपूर की तस्वीर शेयर कर लिखा, ह्लकोई खराब एंगल या बालों का दिन खराब हो सकता है, लेकिन लोग तुरंत इतनी बड़ी बात कैसे मान सकते हैं? वह एयरपोर्ट से बिल्कुल स्टाइलिश, क्लासी और स्लिम नजर आ रही थीं और आज जिम से बाहर निकली हैं। बस इतनी सी बात है। उन्होंने आगे लिखा, मैं अपनी बहन (सोहा अली खान) को दूसरे बच्चे के लिए मनाती रही हूं... काश यह सच होता! यह कहने के लिए वह मुझे मार डालेगी! दोस्तों, जीने दो और जीने दो। कुछ बातें प्राइवेट रहने देना चाहिए। किसी तरह के कयास लगाने की जरूरत नहीं है। प्यार और सम्मान के साथ।

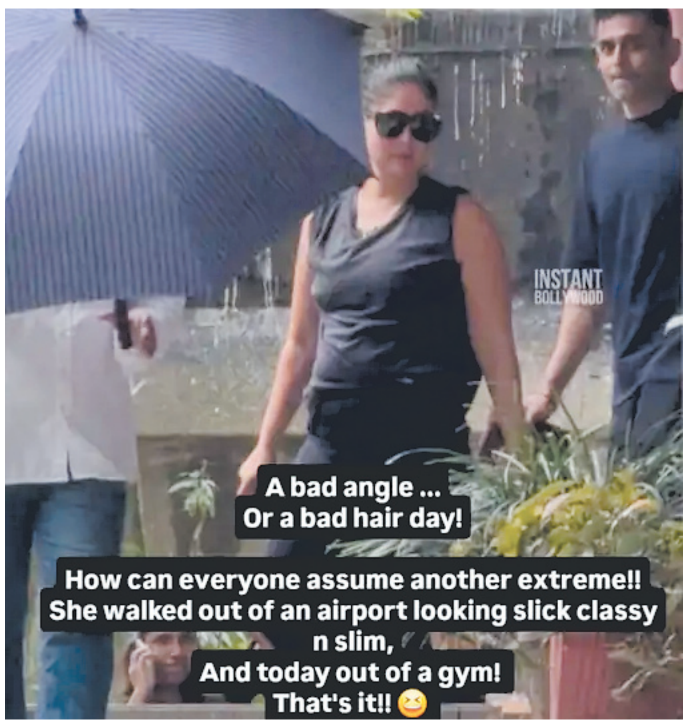

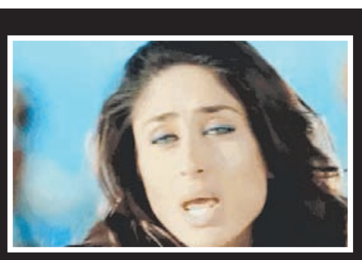

परिवार बढ़ाने पर करीना ने क्या कहा था

करीना ने इससे पहले वोग को दिए एक इंटरव्यू में फैमिली प्लानिंग पर बात की थी। उन्होंने कहा था, ह्लसैफ ने हर दशक में एक बच्चा किया है- बीस की उम्र में, तीस की उम्र में, चालीस की उम्र में और अब पचास की उम्र में। मैंने उनसे कहा है कि साठ की उम्र में ऐसा नहीं होने वाला। करीना ने आगे कहा था, ह्लमुझे लगता है कि सैफ जैसा खुले विचारों वाला आदमी ही अलग-अलग उम्र के चार बच्चों का पिता हो सकता है। वह सभी को अपना समय देते हैं। उन्होंने कहा था, ह्लअब जेह के साथ हम इसे बैलेंस करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने तय किया है कि जब वह किसी फिल्म की शूटिंग कर रहे होंगे, तब मैं उसी समय फिल्म में काम नहीं करने की कोशिश करूंगी और इसके उलट भी ऐसा ही होगा।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...

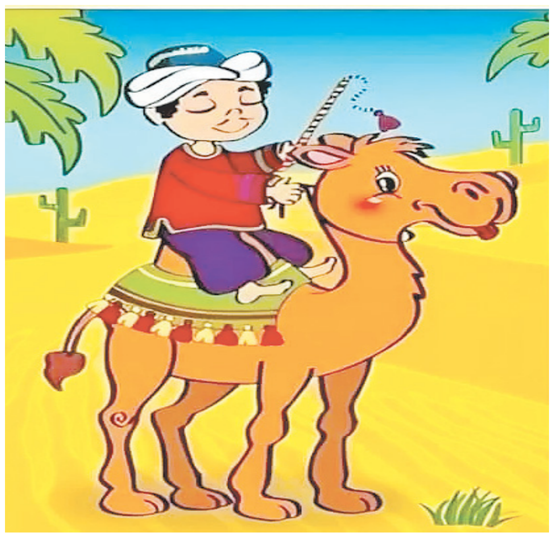

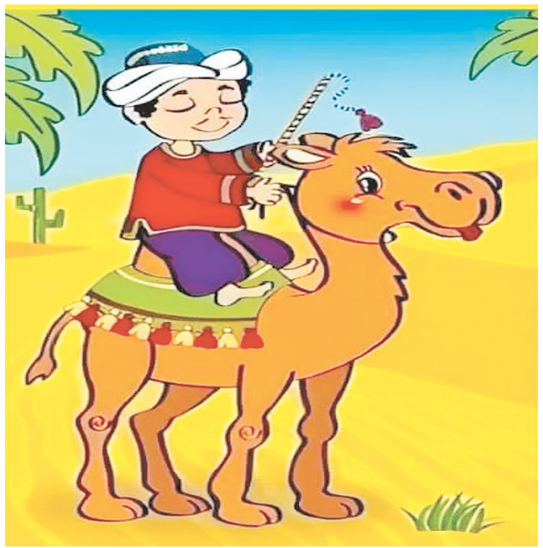

रंग भरकर चित्र बनाओ

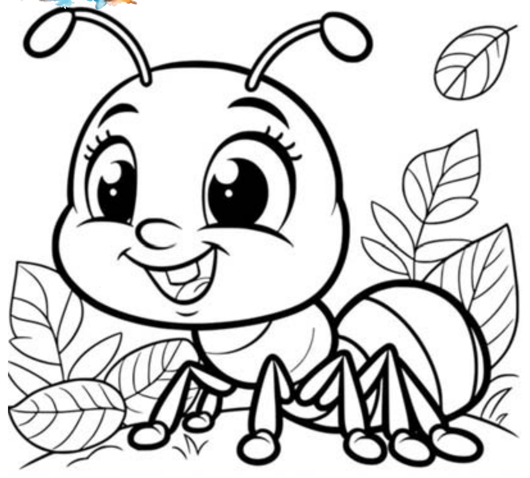

जोक्स

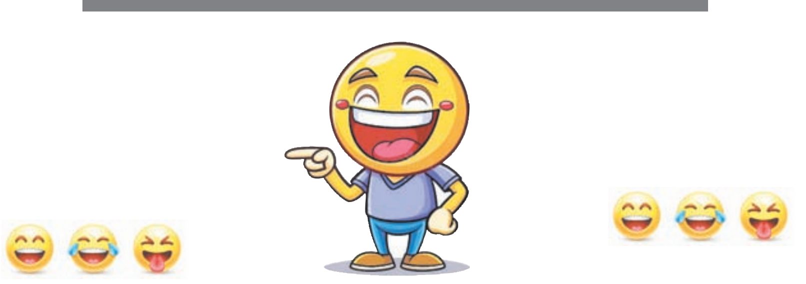

माथा पच्ची

68		5		32		45	=	86
38		22		31		30	=	77
2		10		5		10	=	25
40		2		10		20	=	10
=		=		=		=		=
20		19		15		5	=	

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

शब्दजाल में "प्राण" की दस फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

उपकार, शराबी, नसीब, हीर रांझा, आदमी, जंजीर, कुर्बानी, धर्मा, गंगा की सौगंध, राम और श्याम

अष्टयोग

	5	4	3			
	34		30		28	2
7		1	6		5	4
	25		33	6	41	
1	3	2		5	7	
	28	5	33		38	3
4			6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

माथा पच्ची का हल

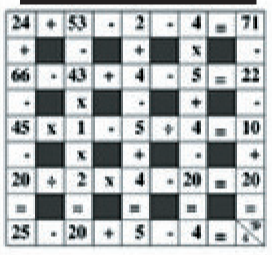

अष्टयोग का हल

7	2	1	6	3	5	4
2	34	7	30	4	28	2
6	5	4	3	2	7	1
3	30	6	32	6	39	5
1	3	2	4	5	7	6
5	28	5	33	7	38	3
4	5	3	6	1	2	7

शब्दजाल का हल

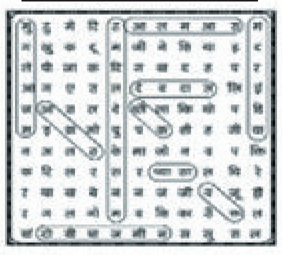

वर्ग पहेली

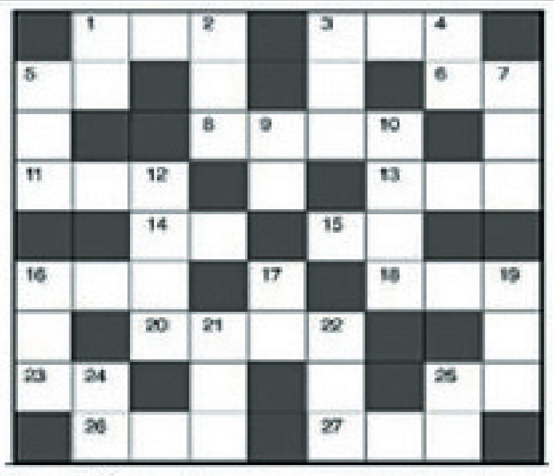

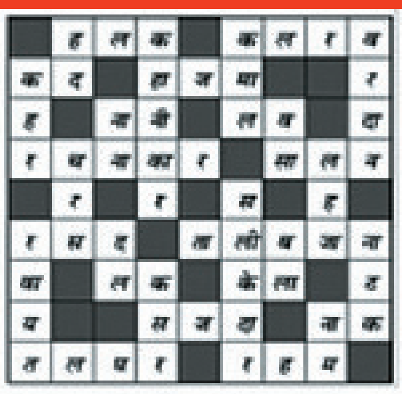

बाएं से दाएं

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना-4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ-2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

सूडोकू बवाल-

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

ओडिशा के पास चीनी क्रू वाला जहाज डूबा:24 लोग सवार थे

इंडियन कोस्ट गार्ड-नेवी ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया

ओडिशा के पारादीप तट से करीब 240 समुद्री मील दूर बंगाल की खाड़ी में शनिवार को एक मालवाहक जहाज डूब गया। पनामा के झंडे वाले इस जहाज पर 24 क्रू सदस्य सवार थे। दो को बचा लिया गया है, बाकी की तलाश जारी है। पीटीआई के मुताबिक, क्रू में 20 चीन के, 3 म्यांमार और एक बांग्लादेश से है। जहाज ओडिशा से लौह अयस्क लेकर सिंगापुर जा रहा था। यह शुक्रवार को ओडिशा तट से रवाना हुआ था। जहाज के डूबने की वजह अभी पता नहीं चल पाई है। हादसे की जानकारी मिलते ही इंडियन कोस्ट गार्ड और इंडियन नेवी ने क्रू सदस्यों की तलाश और बचाव अभियान शुरू कर दिया। आसपास मौजूद दूसरे जहाजों को भी अलर्ट किया गया है और रेस्क्यू में मदद करने को कहा गया है। हादसे के समय बंगाल की खाड़ी में मौसम भी पूरी तरह सामान्य नहीं था। मौसम विभाग ने उत्तर बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना जताई थी। इससे समुद्र में मौसम खराब हो सकता है। हालांकि, जहाज इसी वजह से डूबा, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है।

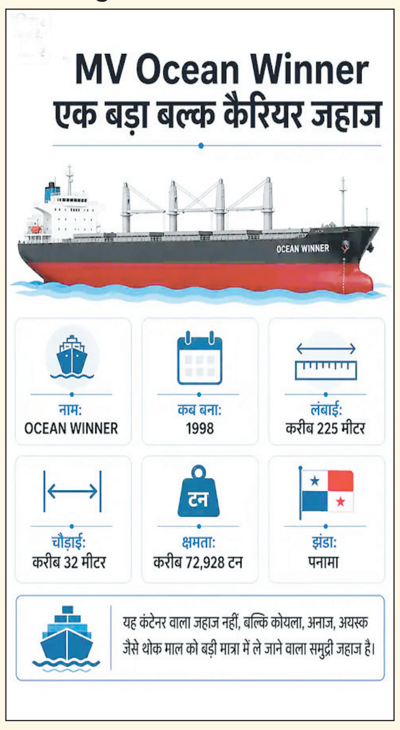

कनाडा का अमेरिकी सामान पर 8 सितंबर से जवाबी टैरिफ

ट्रम्प ने 50% टैरिफ का ऐलान किया था, दोनों देशों के बीच तीन दिन की बातचीत फेल

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को कहा कि कनाडा 8 सितंबर से अमेरिकी सामान पर जवाबी टैरिफ लगाएगा। यह फैसला अमेरिका की ओर से कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर के उत्पादों पर 50% टैरिफ लगाए जाने के बाद लिया गया है। दोनों देशों के बीच आखिरी दौर की बातचीत भी शुक्रवार को बिना किसी समझौते के खत्म हो गई। कनाडा का जवाबी टैरिफ स्टील, डेयरी उत्पाद, घरेलू उपकरण, कृषि उपकरण, पल्प एंड पेपर और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे अमेरिकी सामान पर लगेगा। किन-किन उत्पादों पर कितना टैरिफ लगेगा, इसकी पूरी जानकारी आने वाले दिनों में जारी की जाएगी।

अमेरिका और कनाडा के बीच 3 दिन तक चली ट्रेड डील की बातचीत नाकाम रही। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार आधी रात से कनाडा के 20 अरब डॉलर (करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए) के सामान पर 50% टैरिफ लागू कर दिया। यह टैरिफ कनाडा के अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान का करीब 5% है। अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने वॉशिंगटन डीसी में तीन दिन की बातचीत की थी, लेकिन व्यापार समझौता फाइनल नहीं हो सका। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिका जितना टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतना ही जवाब देगा।

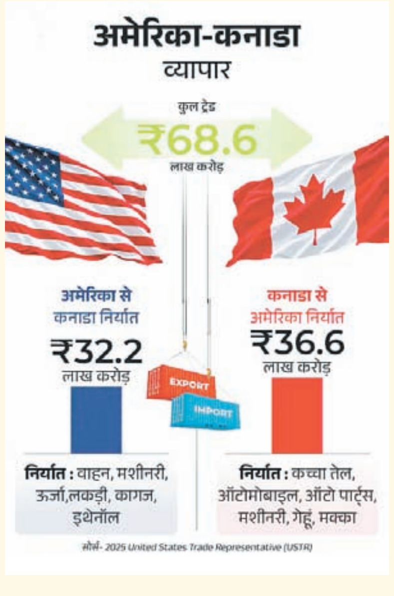

अमेरिका बोला- अच्छा ऑफर दिया था, उन्होंने मौका गंवाया

दोनो देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो पाने के बाद अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (USTR) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि कनाडा ने अमेरिका के साथ पार्टनरशिप का बहुत अच्छा मौका गंवा दिया है। (USTR) के मुताबिक, उन्होंने कनाडा को किसी भी बड़े एक्सपोर्टर के मुकाबले सबसे अच्छा ऑफर दिया था। लेकिन कनाडा की नई मांगों और पहले किए गए वादों से पीछे हटने की वजह से यह डील नहीं हो पाई।

USTR ने आगे कहा कि अगर यह डील हो जाती तो इससे एयरोस्पेस में सप्लाई चेन कोऑर्डिनेशन, गलत ट्रेड प्रैक्टिस से निपटने के लिए जरूरी कदम, खनिजों पर सहयोग, और वर-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट (USTR) बातचीत की घोषणा जैसे नतीजे सामने आते।

अमेरिका ने कनाडा पर इतना ज्यादा टैरिफ क्यों लगाया?

अमेरिका का कहना है कि कनाडा की कुछ व्यापार नीतियों अमेरिकी कंपनियों के लिए नुकसानदेह हैं। दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इनमें ऑटोमोबाइल, डेयरी प्रोडक्ट्स, शराब और लकड़ी का कारोबार प्रमुख हैं।

अमेरिका ने पहले नए टैरिफ 20 अगस्त से लगाने का ऐलान किया था। हालांकि, डेडलाइन से ठीक पहले दोनों देशों ने बातचीत शुरू करने का फैसला किया। इसके बाद ट्रम्प ने टैरिफ लागू करने की समयसीमा 3 दिन बढ़ा दी, ताकि समझौते की कोशिश की जा सके।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कई मुद्दों पर सहमति बन गई थी, लेकिन कुछ अहम मामलों में दोनों देश एक-दूसरे की शर्तों पर सहमत नहीं हो सके।

1. अमेरिकी कारों के साथ भेदभाव का आरोप

अमेरिका लंबे समय से शिकायत करता रहा है कि कनाडा की ट्रेड पॉलिसी अमेरिकी कार कंपनियों को कनाडा के बाजार में बराबर मौका नहीं देती। अमेरिका चाहता है कि उसकी कारों और दूसरे सामान के लिए कनाडा का बाजार ज्यादा खुले। कनाडा ने बदले में अमेरिका से स्टील, एल्युमिनियम, कारों और लकड़ी पर लगाए गए टैरिफ में राहत मांगी थी। लेकिन अमेरिका इन टैरिफ को हटाने पर तैयार नहीं हुआ।

2. कनाडा का अपने डेयरी मार्केट को प्रोटेक्शन

कनाडा अपने डेयरी बाजार को विदेशी कंपनियों और सस्ते डेयरी प्रोडक्ट्स से बचाने के लिए लंबे समय से कई नियम लागू करता रहा है। अमेरिका चाहता है कि उसके दूध, पनीर और दूसरे डेयरी प्रोडक्ट्स को कनाडा के बाजार में आसानी से बेचने का मौका मिले। लेकिन कनाडा अपने डेयरी सेक्टर को लेकर ज्यादा रियायत देने के लिए तैयार नहीं हुआ। इस मुद्दे पर भी दोनों देशों के बीच मतभेद बने रहे।

3. अमेरिकी शराब की बिक्री पर प्रतिबंध

कनाडा के कुछ हिस्सों में अमेरिकी शराब की बिक्री को लेकर भी पाबंदियां लगाई गई हैं। अमेरिका इसे अपने सामान के साथ भेदभाव के तौर पर देखता है। अमेरिका चाहता है कि उसकी शराब को कनाडा के बाजार में ज्यादा आसानी से बेचने की इजाजत मिले। इसके अलावा दोनों देशों के बीच कनाडा की सॉफ्टवुड लंबर यानी लकड़ी को लेकर भी लंबे समय से विवाद है। अमेरिका कनाडा से आने वाली लकड़ी पर कई तरह के व्यापारिक प्रतिबंध और शुल्क लगाता रहा है।

लुधियाना में तिब्बती युवाओं का प्रदर्शन, चीन की नीतियों के खिलाफ निकाला रोष मार्च

प्रहास्त्र ▸▸ लुधियाना

लुधियाना में तिब्बती युवाओं ने चीन की कम्युनिस्ट सरकार और उसकी विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ आज शांतिपूर्ण रोष मार्च निकाला। तिब्बती युवा कांग्रेस के नेतृत्व में डिवीजन नंबर 3 से सुंदर नगर तक निकाले गए मार्च में 500 से अधिक तिब्बती नागरिकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने चीन की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने चीन की तिब्बत नीति के विरोध में भी नारेबाजी की। हतिब्बत एक राष्ट्र था, तिब्बत एक राष्ट्र है और जल्द ही तिब्बत आजाद होगाह जैसे नारे लगाए गए। मार्च को लुधियाना के स्थानीय होजरी व्यापारियों का भी समर्थन मिला। यह प्रदर्शन तिब्बती युवा कांग्रेस की ओर से शुरू किए गए अंतरराष्ट्रीय चेन प्रोटेस्ट का हिस्सा है। संगठन के अनुसार, यह आंदोलन शहीद लोबगा रांगजेन के बलिदान की याद में किया जा रहा है। संगठन का दावा है कि उन्होंने तिब्बत की स्थिति और तिब्बती लोगों के संघर्ष की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने आत्मदाह किया था।

सिख दंगों के दोषी सज्जन को हीरो कहने पर नाराजगी

सिख परिवारों का राहुल गांधी के घर के बाहर नारेबाजी कर किया प्रदर्शन, पुतला भी जलाया

प्रहास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को 5, सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतला भी फूंका। प्रदर्शनकारी सिख कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान से नाराज हैं। उन्होंने कहा- कांग्रेस को इस बयान को वापस लेकर माफी मांगनी चाहिए। सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए गए थे। दिल्ली की तिहाड़ जेल में गुरुवार को 80 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था।

कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने बयान दिया था

कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने सज्जन कुमार के निधन को कभी न पूरी होने वाली क्षति बताया था। वहीं, कांग्रेस के नेता उदित राज ने सज्जन कुमार के निधन को पार्टी के लिए बड़ी क्षति बताते हुए कहा कि उन्होंने विशेष रूप से गरीबों के लिए बहुत काम किया था। इन बयानों के बाद से सिख समाज में नाराजगी है।

प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कलका और महासचिव जगदीप सिंह कहलोन ने किया। डीएसजीएमसी के नेता ने कांग्रेस से साफ करने को कहा कि क्या दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए सज्जन कुमार को हीरो माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि सज्जन कुमार की मौत के बाद कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने जिस तरह के बयान दिए और उन्हें अपना हीरो बताया, वह आपत्तिजनक हैं। राहुल गांधी को आज साफ करना होगा कि क्या सज्जन कुमार उनके हीरो हैं। उन्होंने कहा, 42 साल बाद हमारे परिवारों के जख्म फिर हरे हो गए हैं। हमारी भावनाओं को ठेस पहुंची है। राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं को इसे स्वीकार कर माफी मांगनी चाहिए।

1984 दंगे- सज्जन पर सिखों की हत्या का आरोप

31 अक्टूबर 1984: प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1 नवंबर से दिल्ली समेत कई हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़के थे। दिल्ली में करीब 2700 और देशभर में लगभग 3500 लोगों की मौत हुई।

मई 2000: जीटी नानावटी कमीशन बना। इसकी सिफारिश पर 24 अक्टूबर 2005 को उइकने केस दर्ज किया। तब सज्जन कुमार सांसद थे। उन्हें दंगे भड़काने और सिखों की हत्या के मामले में आरोपी बनाया गया।

2010-2013: ट्रायल कोर्ट ने सज्जन कुमार समेत कई आरोपियों को समन किया। 2013 में सज्जन कुमार को बरी किए जाने के बाद उइकने हाईकोर्ट में अपील की।

17 दिसंबर 2018: दिल्ली हाईकोर्ट ने पांच सिखों की हत्या के मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई।

गैंगस्टर बराड़ बोला- निज्जर को मैंने मरवाया

मेरे भाइयों को मरवाने वाले इसकी कोठी में रहते थे; पहले भारतीय एजेंसियों पर आरोप

प्रहास्त्र ▸▸ कनाडा

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने दावा किया है कि कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या उसी ने करवाई थी। इससे जुड़ा एक ऑडियो सामने आया है। इसमें गोल्डी बराड़ आतंकी परमजीत सिंह उर्फ पम्मा से कह रहा है कि निज्जर को इसलिए टारगेट किया गया, क्योंकि उसके भाई की हत्या के बाद सुक्खा दुनेके और अर्श डाला जैसे लोग निज्जर की कोठी में रहते रहे थे।

ऑडियो में वह कह रहा है कि जिन कोठियों में बैठकर मेरे भाइयों को मरवाया गया, वे उन्हीं लोगों की थीं। इसी वजह से मेरा खून खौलता था। मैं उसे छोड़ नहीं सकता था। गुरु घर की इज्जत के कारण अंदर गोली नहीं चलाई गई। अगर अंदर गोली चलानी होती या बदतमीजी करनी होती तो अर्श डाला को भी मार दिया जाता।

गोल्डी बराड़ ने कथित ऑडियो में कहा कि गुरु घर की इज्जत के लिए सब्र रखा और गेट के बाहर आने तक इंतजार किया। उसे लगा था कि अर्श डाला भी गाड़ी में साथ है। उसने इसे अपनी गलती बताते हुए कहा कि अगर उस समय अर्श डाला को भी मार दिया होता तो उसे बार-बार सफाई देने की जरूरत नहीं पड़ती।

गौरतलब है कि निज्जर की हत्या 18 जून 2023 को कनाडा के सरे में कर दी गई थी। हमलावरों ने गुरुद्वारा के बाहर निकलते ही घेरकर 50 राउंड फायरिंग की थी, जिसमें से 34 गोलियां निज्जर को लगीं थीं। कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार के एजेंटों का हाथ होने के आरोप लगाए थे। हालांकि, भारत सरकार ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए 'बेतुका और राजनीति से प्रेरित' बताया था। ऑडियो में गोल्डी बराड़ ने कहा निज्जर ने बहुत अच्छे काम किए हुए होंगे। मैं नहीं कहता, नहीं किए होंगे। लेकिन जो उन्होंने गलती की है, सुखा दुनेके और अर्श डाला का पुराना रिकॉर्ड निकाल लिया जाए। उन्होंने इनकी भी जड़ें काटी हैं।

इनके घर पर रहे, इनकी गारंटी पर असले के लिए पैसे लिए, इनके बंदे पकड़वाए। पुलिस के साथ रिलेशन बनाए। आज जो वही लोग इंडिया को एजेंसियों के भी मुखबिर बने हुए हैं, अर्श डाला जैसे... बाहर की एजेंसियों के तो हैं ही। ठीक है। आप सबकी जड़ें काटी हैं। कभी भला नहीं है।

आप हमें दुश्मन समझते हो। आप पता कर लो, मेरे कितने भाई अंदर हैं, जो बेअदबी वाले लोगों के घरों पर गोलियां मरवाने के लिए मैंने आदमी भेजे। 15-16 लड़के हैं, मैं आपको लिस्ट भेजता हूं। प्रदीप को हमने मार दिया था, जिसके चक्कर में पांच-छह अंदर हैं। शूटर हैं।

हत्या से पहले दो अटेंप्ट किए, जो मिस हुए। जो उसमें अंदर हैं। लोगों को लगता है, सिद्धू को मारने के बाद हमने बेअदबी वालों को मारा है। सिद्धू को मारने से पहले ही हमने दो बार बेअदबी वालों को टारगेट किया था। वह अंदर हैं। 16 लड़के अंदर हैं। आप जाकर पूछें कि इतने सालों से कौन आपको संभालता है।

जापान के पास 5500 परमाणु बम बनाने जितना प्लूटोनियम

बीजिंग। चीन ने जापान की परमाणु क्षमता को लेकर चिंता जताई है। रूस में चीन के राजदूत झांग हानहुई ने दावा किया कि जापान के पास करीब 44.4 टन अलग किया हुआ प्लूटोनियम है। उनके मुताबिक, इतनी मात्रा से सैद्धांतिक तौर पर करीब 5,500 परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं। झांग ने रूसी सरकारी समाचार एजेंसी तास से बातचीत में कहा कि जापान के पास इस्तेमाल किए गए परमाणु ईंधन को दोबारा प्रोसेस करके उसमें से प्लूटोनियम निकालने की तकनीक भी है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि जापान के पास 5,500 परमाणु हथियार हैं। यह चीन की ओर से प्लूटोनियम की मात्रा के आधार पर लगाया गया अनुमान है। जापान ने परमाणु हथियार रखने या बनाने की नीति नहीं अपनाई है। प्लूटोनियम एक रेडियोऐक्टिव तत्व है। यह परमाणु रिएक्टर में यूरेनियम के इस्तेमाल के दौरान बनता है।

पाकिस्तान ने पत्रकार को आतंकी लिस्ट में डाला

प्रहास्त्र ▸▸ कराची

पाकिस्तान ने पीओके में हो रहे प्रदर्शनों की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकार और रिसर्चर दानिश इरशाद का नाम आतंकवाद से जुड़ी निगरानी सूची यानी फोर्थ शेड्यूल में डाल दिया है। खास बात यह है कि सरकार ने उनके खिलाफ न तो किसी आतंकी गतिविधि का आरोप बताया है और न ही किसी अदालत का फैसला सामने आया है।

दानिश इरशाद पिछले करीब 10 साल से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान की राजनीति और वहां के हालात पर रिपोर्टिंग कर रहे हैं। हाल के महीनों में उन्होंने ढड्डा में सुरक्षा बलों की कार्रवाई से प्रभावित लोगों और उनके परिवारों की लगातार रिपोर्टिंग की थी।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर दानिश इरशाद ने ऐसा क्या किया, जिसके आधार पर उनका नाम फोर्थ शेड्यूल में डाला गया? उपलब्ध सरकारी आदेश में इसका कोई साफ जवाब नहीं मिलता। दानिश इरशाद रावलपिंडी के रहने वाले हैं। उन्होंने 2015 में इस्लामाबाद से पत्रकारिता शुरू की थी।

कनाडा में 2 गुरुद्वारों को गिराने की धमकी, एक ही नंबर से कॉल, कहा- बिल्डिंग गिरा देंगे

प्रहास्त्र ▸▸ कनाडा

कनाडा में 2 गुरुद्वारों को गिराने की धमकी मिली है। इनमें कैलगरी स्थित प्रमुख सिख धार्मिक स्थल दशमेश कल्चर सेंटर और सवाना स्थित गोबिंद सरवर गुरुद्वारा साहिब शामिल है। लगातार आ रहे धमकी भरे फोन कॉल्स के बाद गुरुद्वारा प्रबंधन, स्थानीय प्रशासन और पुलिस की चिंता बढ़ गई है।

ऐहतियात के तौर पर गुरुद्वारा साहिब परिसर में अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड तैनात कर दिए गए हैं। मामले की शिकायत मिलने के बाद कैलगरी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और समुदाय या दोनों में से किसी भी गुरुद्वारा साहिब को किसी सक्रिय खतरे की संभावना नहीं है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि धमकी देने वाले लोग कौन थे और उनका मकसद क्या था? दशमेश कल्चर सेंटर के

चेयरमैन रणबीर सिंह परमार ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब के कार्यालय में लगातार दो संदिग्ध फोन कॉल्स आए। पहले कॉल में अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर गुरुद्वारा साहिब की पार्किंग खाली कराने को कहा। उसने दावा किया कि वहां कुछ तार बिछाने का काम किया जाना है। कुछ समय बाद एक अन्य व्यक्ति ने फोन कर खुद को एक कंस्ट्रक्शन कंपनी का उएड बताया। उसने गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चेयरमैन रणबीर सिंह परमार से बात की और सीधे गुरुद्वारा भवन को गिराने की धमकी दी। रणबीर ने बताया कि उसी नंबर से कनाडा के सवाना स्थित गोबिंद सरवर गुरुद्वारा साहिब को भी इसी तरह की धमकी भरा कॉल आया। दशमेश कल्चर सेंटर के चेयरमैन रणबीर सिंह परमार ने धमकी भरे कॉल की जानकारी दी।

बांग्लादेश में 2 साल में 457 से ज्यादा फैक्ट्रियां बंद

2026 में 62 हजार नौकरियां गईं, गैस संकट से 800 और फैक्ट्रियों पर असर

प्रहास्त्र ▸▸ ढाका

बांग्लादेश के उद्योगों पर संकट गहराता जा रहा है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो साल में देश के 7 प्रमुख औद्योगिक इलाकों में 457 औद्योगिक इकाइयां स्थायी रूप से बंद हो चुकी हैं। इनमें 108 गारमेंट उद्योग से जुड़ी यूनिट्स शामिल हैं। फैक्ट्रियां बंद होने का सीधा असर रोजगार पर पड़ा है। जनवरी से अगस्त 2026 के बीच 95 फैक्ट्रियां बंद हुईं और 61,881 लोगों की सीधी नौकरी चली गई।

पिछले दो साल में बंद हुई 457 फैक्ट्रियों में कपड़ा और गारमेंट से जुड़ी फैक्ट्रियों के साथ दूसरे उद्योगों की इकाइयां भी शामिल हैं। इनमें 287 इकाइयां अन्य मैन्युफैक्चरिंग कारोबार से जुड़ी थीं। यानी बांग्लादेश में उद्योगों की मुश्किल किसी एक सेक्टर तक सीमित नहीं है। बढ़ती लागत और ऊर्जा संकट का असर अलग-अलग तरह के कारखानों पर पड़ रहा है।

सबसे बड़ी परेशानी ऊर्जा की कमी को लेकर है। अगस्त की शुरुआत में गाजीपुर में गैस का दबाव इतना कम हो गया कि 700 से 800 फैक्ट्रियों में काम रोकना पड़ा या कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजना पड़ा।

गैस की कमी से बॉयलर और दूसरी मशीनें पूरी क्षमता से नहीं चल पातीं। इससे उत्पादन घटता है और फैक्ट्रियों के लिए विदेशी खरीदारों के ऑर्डर समय पर पूरा करना मुश्किल हो जाता है।

गैस की कमी से अभी जो फैक्ट्रियां बंद हैं, उनके लिए ज्यादा दिन तक काम रोकना मुश्किल हो सकता है।

गैस की जगह डीजल या एलपीजी से काम चलाने पर खर्च और बढ़ जाता है। ऐसे में अगर संकट लंबा चला तो कई फैक्ट्रियों के लिए दोबारा काम शुरू करना मुश्किल हो सकता है।

ऊर्जा संकट का असर सिर्फ फैक्ट्रियों में कामकाज पर नहीं पड़ रहा है। इससे बांग्लादेश के लिए विदेशी कंपनियों से कारोबार हासिल करना भी मुश्किल हो रहा है।

अगर फैक्ट्रियां समय पर ऑर्डर पूरा नहीं कर पाईं तो विदेशी खरीदार दूसरे देशों का रुख कर सकते हैं। इससे बांग्लादेश की फैक्ट्रियों की कमाई घटेगी और कर्मचारियों की तनख्वाह, कर्ज और बाकी खर्च संभालना और मुश्किल हो जाएगा।

जनवरी से अगस्त 2026 के बीच गेजेट, सावर-अशुलिया और नारायणगंज-नरसिंदी के तीन प्रमुख औद्योगिक इलाकों में 95 फैक्ट्रियां स्थायी रूप से बंद हुईं।

जनवरी से अगस्त 2026 के बीच गेजेट, सावर-अशुलिया और नारायणगंज-नरसिंदी के तीन प्रमुख औद्योगिक इलाकों में 95 फैक्ट्रियां स्थायी रूप से बंद हुईं।

सुभाषितानि

बाल्यादपि चरेत् धर्ममनित्यं खलु जीवितम्।
फलानामिव पक्कानां शश्वत् पतनतो भयम्।।

भावार्थ : सभी के लिए बचपन से ही धर्म का अभ्यास करना उचित है क्योंकि जीवन अधिक अस्थिर होता है और जब शरीर परिपक्व हो जाता है तो हम धर्म का अभ्यास नहीं कर सकते क्योंकि हमेशा पके फल गिरने का डर रहता है। जीवन के अंत समय में, धर्म का पालन करना कठिन है।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, रविवासरः 23 अगस्त, 2026

।। ॐ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु। सह वीर्यं करवावहै। तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै।।

भावार्थ : हे ईश्वर! हम दोनों शिष्य और शिक्षक की एक साथ रक्षा करें, हम दोनों एक साथ सीखने के फल का आनंद लें, हम दोनों को एक साथ ज्ञान प्राप्त करने की शक्ति मिले, हम दोनों शानदार ढंग से अध्ययन करें, हम दोनों को एक-दूसरे से ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए।

सम्पादकीयम्

तदपेक्षया यदा भवन्तः

नियन्त्रणं ऑनलाइन एव तिष्ठति तथ्यं तु एतत् यत्, साक्षात्कारेषु एकदा शब्दाः उक्ताः चेत्, ते पुनः ग्रहीतुं न शक्यन्ते; भवन्तः तान् विलोपयितुं सम्पादयितुं वा न शक्नुवन्ति। शयने रोमान्टिकस्य वा वाष्पयुक्तस्य वा क्षणस्य तापे यद्दच्छया किमपि विषमं वक्तुं शक्यते यत् मनोदशां सर्वथा नाशयति। तदपेक्षया यदा भवन्तः पाठद्वारा स्वभावं वा इच्छां वा प्रकटयन्ति तदा भवतः पूर्णं नियन्त्रणं भवति। भवन्तः पङ्क्तिं लिखन्ति, ततः चिन्तयन्ति यत् न, तत् पर्याप्तं आकर्षकं नास्ति इति। भवन्तः तत् विलोपयन्ति, इमोजी योजयन्ति, शब्दं अन्विष्यन्ति, ततः इति नुदन्ति। मूलतः भवन्तः स्वस्य कामुकतायाः, स्नेहस्य च उत्तमं, अत्यन्तं पालिशितं संस्करणं परव्यक्तिं प्रति प्रस्तुतयन्ति। सम्पादनस्य एषा विलासिता शयने न प्राप्यते; तत्र सर्वं जीवन्तं अलिपिबद्धं च अस्ति। अतः स्मार्टफोनस्य डिजिटल-पर्दे शय्यागृहस्य वास्तविक-तापं किमर्थं आच्छादयति? विज्ञानस्य नित्यवास्तविकतायाश्च चक्षुषा अस्य अङ्गीयप्रेमजीवनस्य विच्छेदनं कुर्मः। मनोविज्ञानस्य इति प्रसिद्धा अवधारणा अस्ति। सरलतया वक्तुं शक्यते यत् यदा अस्माकं परस्य च मध्ये काचपटलः तिष्ठति तदा अस्माकं निरोधाः, भयाः, लज्जा, सामाजिकविवेकस्य चिन्ता च सहसा विलुप्ताः भवन्ति अङ्गीयपदे ः एकः कवचः अङ्गीयपर्दे रक्षात्मककवचरूपेण कार्यं करोति।

इदानीं एतेषां नेतारणाम् माध्यमेन स्थानीयकार्यकर्तृणां मतदातानां च मध्ये

स्वस्य कार्यकर्तृत्वं वर्धयितुं दलं प्रयतते

ब्रह्मास्त्र ›› चंडीगढ़

इदानीं एतेषां नेतारणाम् माध्यमेन स्थानीयकार्यकर्तृणां मतदातानां च मध्ये स्वस्य कार्यकर्तृत्वं वर्धयितुं दलं प्रयतते।

रामपुर फुल् पञ्जाबराजनीत्यां महत्त्वपूर्णं निर्वाचनक्षेत्रम् अस्ति। राजनैतिकदलानां स्थानीयस्तरस्य संगठनं, अत्र नेतारणाम् कार्यकर्तृत्वं च निर्वाचनगतिशीलतां प्रभावितं करोति। एतादृशे परिस्थितौ आम आदमीदलस्य (आआप) अनेकाः पुरातनाः वरिष्ठाः च नेतारः एकत्रैव काङ्ग्रेस-सङ्गठने सम्मिलिताः भवन्ति इति द्वयोः दलयोः कृते राजनैतिकसन्देशरूपेण दृश्यते। परन्तु एतेषां नेतारणाम् काङ्ग्रेस-सङ्घस्य सदस्यतायाः यथार्थः निर्वाचनप्रभावः आगामिनिर्वाचनेषु एव स्पष्टः भविष्यति।

अस्य विकासस्य प्रतिक्रियारूपेण काङ्ग्रेसपक्षः आपपक्षस्य विरुद्धं राजनैतिक-आक्रमणं अपि तीव्रं कृतवान् अस्ति। भूपेशबघेलेन उक्तं यत इदानीं दलस्य नेतारः कार्यकर्तारः च दलं त्यक्त्वा काङ्ग्रेसपक्षे सम्मिलिताः इति तथ्यं स्पष्टतया सूचयति यत् राज्ये राजनैतिकपरिवर्तनस्य भूमिः सज्जीक्रियते। सः दावान् अकरोत् यत् पञ्जाबस्य जनाः एतादृशी व्यवस्था इच्छन्ति यस्मिन् राज्यस्य हितं स्थानीयविषयाणि च प्राथमिकताम् अवाप्नुवन्ति।

राजा वारिंग इत्यनेन उक्तं यत् काङ्ग्रेसस्य प्रत्येकं नूतनं समर्थनं दलकार्यकर्तृणां मनोबलं वर्धयति। सः अवदत् यत् नूतनानां नेतारणाम् कार्यकर्तृणां च मिलनेन पञ्जाबस्य उत्तमस्य समृद्धस्य च भविष्यस्य कृते कार्यं कर्तुं दलस्य नूतना ऊर्जा प्राप्यते। सः सर्वान् नेतारं कार्यकर्तृन् च एकीकृत्य अग्रे गन्तुं आह्वानं कृतवान्।

काङ्ग्रेस-पक्षे सम्मिलिताः नेतारः मुख्यतया सर्वकारस्य कार्यप्रदर्शनेन, जनानां अपेक्षाभिः च सम्बद्धान् विषयान् आप-पक्षं त्यक्तुं कारणानि उद्धृतवन्तः सः कथयति यत् पञ्जाब-देशस्य जनाः येन अपेक्षाभिः आम आदमी-दलं सत्तां नीतवन्तः, ते न पूर्णाः अभवन्। अस्याः असन्तुष्ट्याः कारणात् सः काङ्ग्रेस-पक्षेण सह अग्रे गन्तुं निश्चयं कृतवान् अस्ति।

परन्तु अस्य विकासस्य विषये आम आदमीपक्षस्य प्रतिक्रियायाः अनन्तरमेव राजनैतिकचित्रं स्पष्टं भविष्यति। यदा काङ्ग्रेसपक्षः एतत् आप-सर्वकारस्य विरुद्धं वर्धमानं असन्तुष्टिरूपेण चित्रयति तदा सत्ताधारी दलः एतादृशं पलायनं स्थानीयराजनीतिपर्यन्तं सीमितं घटना इति खण्डयितुं शक्नोति। पञ्जाबराजनीत्यां नेतारः दलान्तरणस्य इतिहासः अस्ति, तस्य प्रभावः प्रायः निर्वाचनकाले एव दृश्यते।

सम्प्रति रामपुरा फुल् परिवर्तनेन पञ्जाब-काङ्ग्रेस-पक्षस्य उत्साहः प्राप्तः अस्ति। एकत्रितरूपेण अनेकेषां वरिष्ठस्थानीयनेतृणां दलस्य प्रवेशेन दलस्य संगठनात्मकरूपेण लाभः भविष्यति इति अपेक्षा अस्ति। अपरपक्षे आम आदमीदलस्य समक्षं स्वस्थानीयसङ्गठनं एकीकृतं स्थापयितुं, स्वनेतृषु वर्धमानस्य असन्तुष्टेः सम्भावनायाः निवारणं कर्तुं च आव्हानं वर्तते।

गुरुवासरस्य विकासाः महत्त्वपूर्णाः सन्ति यतः काङ्ग्रेसः आगामिराजनैतिककार्यक्रमेषु स्वसङ्गठनं सुदृढं कर्तुं कार्यं कुर्वती अस्ति। रामपुरा फुल्-नेतृणां काङ्ग्रेस-पक्षे प्रवेशं केवलं सदस्यतायाः अभियानं न अपितु पञ्जाब-राजनीत्यां परिवर्तनशील-वातावरणस्य चिह्नम् इति दलेन वर्णितम् अस्ति यदि आगामिषु दिनेषु अधिकाः आप-नेतारः काङ्ग्रेस-पक्षे सम्मिलिताः भवन्ति तर्हि तस्य राजनैतिकं महत्त्वं अधिकं वर्धयितुं शक्नोति। सम्प्रति उभयपक्षः अस्य विकासस्य स्थानीयव्यापकराजनैतिकनिमित्तेषु केन्द्रितः अस्ति।

भारतस्य विजये युवा

वामबाहुस्पिनरः मानवसुथरः बृहत्तमः नायकः

ब्रह्मास्त्र ›› नव देहली

भारतस्य विजये युवा वामबाहुस्पिनरः मानवसुथरः बृहत्तमः नायकः इति रूपेण उद्धृतः। सः अस्मिन् मेलने कुलम् १० विकेट् गृहीतवान्। प्रथमपारीयां चत्वारि विकेट् गृहीत्वा सुथरः द्वितीयपारीयां षट् विकेट् गृहीत्वा श्रीलङ्कादेशस्य बल्लेबाजीविच्छेदने प्रमुखा भूमिकां निर्वहति स्म। द्वितीयपारीयां श्रीलङ्का २०६ रनस्य कृते आल आउट् आसीत्, भारतं च १६५ रनेन विजयं प्राप्तवान्।

भारतीयबल्लेबाजीयां देवदत्तपडिक्कलस्य प्रदर्शनेन अपि विजयस्य आधारः स्थापितः। सः प्रथमपारीयां तेजस्वी शतकं कृतवान्, भारतस्य विजये च प्रमुखा भूमिकां निर्वहति स्म। प्रथमपारीयां भारतेन ४६२ रनाः प्राप्ताः। तस्य प्रतिक्रियारूपेण श्रीलङ्का २८४ रनस्य कृते बहिः अभवत्। द्वितीयपारीयां भारतेन १९३ रनाः कृत्वा मेजबानस्य कृते ३७२ रनस्य लक्ष्यं निर्धारितम्।

गल्ले-नगरे विजयः विश्व-परीक्षा-प्रतियोगितायाः दृष्ट्या अपि भारतीय-दलस्य कृते महत्त्वपूर्णः आसीत्। विजयेन सह भारतं द्विपरीक्षाशृङ्खलायां अग्रतां प्राप्य डब्ल्यूटीसी-अभियानस्य अंकप्रतिशतं सुदृढं कृतवान्। यद्यपि अद्यापि दलस्य शीर्षस्थाने नास्ति तथापि श्रीलङ्काविरुद्धम् एषा विजयः भविष्याय उपयोगी सिद्धा अभवत्। अस्याः विजयस्य अनन्तरं टीम इण्डिया-क्रीडकानां कृते उत्सवस्य वातावरणं आसीत्, परन्तु शुबमन गिल् इत्यस्य प्रशंसकानां कृते लहरणं कृत्वा उत्सवस्य भिन्नः आयामः आगतवान्। क्रिकेट्-क्रीडायाः प्रदर्शनं, आँकडानि, विजयाः च प्रायः सर्वाधिकं चर्चाः भवन्ति चेदपि एतादृशाः लघुक्षणाः अपि क्रीडकानां प्रशंसकानां च सम्बन्धं प्रकाशयन्ति एषा प्रतिक्रिया गिल् इत्यस्य कृते किमपि नवीनं नास्ति।

सर्वोच्चन्यायालयेन स्थितिप्रतिवेदनं सार्वजनिकं कर्तुं न अस्वीकृतम्

ब्रह्मास्त्र ›› नव देहली

अयोध्यानगरस्य श्रीराममन्दिरस्य कथितस्य भक्तानाम् अर्पणस्य चोरीविषये स्वतन्त्रानुसन्धानं याचिकासु सर्वोच्चन्यायालयेन सोमवासरे याचिकासु श्रवणं कृतम्। मुख्यन्यायाधीशः (सीजीआई) सूर्यकान्तः, न्यायाधीशः जॉयमाल्या बागची, न्यायाधीशः वी. सर्वोच्चन्यायालयेन स्थितिप्रतिवेदनं सार्वजनिकं कर्तुं न अस्वीकृतम्। सर्वोच्चन्यायालये दाखिला याचिकासु केन्द्रीय अन्वेषणब्यूरो (सीबीआई) द्वारा स्वतन्त्र जाँच, श्री रामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यासस्य वित्तीयव्यवहारस्य सीएजी लेखापरीक्षा तथा न्यायिक लेखापरीक्षा, न्यासस्य सवेषां वित्तीय अभिलेखानां संरक्षणं, अन्वेषणस्य समाप्तिपर्यन्तं न्यासस्य प्रमुखवित्तीयनिर्णयेषु स्थगितस्य च आग्रहः कृतः अस्ति।

राशिफल

मेष : मन ज्यादा शांत और सोच गहरी रहेगी। काम में धीरे-धीरे सुधार आएगा और चीजें सही दिशा में जाएँगी।

वृषभ : नए आइडिया और योजनाएं दिमाग में आएंगी। दोस्त या जान-पहचान वाले काम में मदद करेंगे।

मिथुन : काम का दबाव ज्यादा रह सकता है, लेकिन आप सब संभाल लेंगे। नौकरी में स्थिति मजबूत रहेगी।

कर्क : किस्मत का साथ मिलेगा। जो काम अटके हुए थे, उनमें गति आएगी। पढ़ाई, यात्रा या नए काम की शुरुआत हो सकती है।

सिंह : मन थोड़ा बेचैन या भारी रह सकता है। पुरानी बातें या पुराने लोग दिमाग में आ सकते हैं।

कन्या : लोगों से बातचीत और संपर्क आपके काम आएंगे। नौकरी या काम में नया मौका मिल सकता है।

तुला : बात करके पुराने मतभेद दूर हो सकते हैं। कामकाज में संतुलन बनाकर चलेंगे तो फायदा होगा।

वृश्चिक : कामकाज में स्थिरता बनी रहेगी। जो मेहनत आप काफी समय से कर रहे थे, उसका असर अब दिखने लगेगा।

धनु : पुराने अटके काम पूरे होने लगेंगे। आप हर चीज को बहुत बारीकी से देखेंगे, लेकिन ज्यादा सोचने से बचें।

मकर : आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। काम में आपकी बात सुनी जाएगी और पहचान भी मिलेगी।

कुंभ : मन थोड़ा भावुक रहेगा और छोटी बातें जल्दी असर डाल सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

मीन : इस समय काम करने का मन बना रहेगा। पढ़ाई-लिखाई या कुछ नया सीखने में दिल लगेगा।

ज्योतिष/वास्तु

चंद्र ग्रहण के दिन राहु-चंद्रमा की युति, इन 3 राशियों को रहना होगा सतर्क

रक्षा बंधन के दिन चंद्र ग्रहण लगने वाला है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस दौरान कुंभ राशि में चंद्रमा के साथ राहु की युति बनेगी, जबकि इसके ठीक अगली राशि मीन में शनि देव स्थित रहेंगे। ऐसे में कुछ राशियों को इस अवधि में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

28 अगस्त 2026 को रक्षा बंधन के दिन चंद्र ग्रहण लगने वाला है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस दौरान कुंभ राशि में चंद्रमा के साथ राहु की युति बनेगी, जबकि इसके ठीक अगली राशि मीन में शनि देव स्थित रहेंगे। ऐसे में चंद्रमा पर राहु और शनि, दोनों ग्रहों का प्रभाव पड़ने की स्थिति बनेगी। ज्योतिष में चंद्रमा को मन, भावनाओं और मानसिक स्थिति का कारक माना जाता है। वहीं राहु के प्रभाव से भ्रम और बेचैनी बढ़ सकती है, जबकि शनि भावनात्मक दबाव और कार्यों में देरी का संकेत देता है। ऐसे में कुछ राशियों को इस अवधि में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

सिंह राशि- सिंह राशि के जातकों के लिए ग्रहण की यह स्थिति रिश्तों और साझेदारी से जुड़े मामलों में चुनौतीपूर्ण हो सकती है। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर मतभेद

या गलतफहमी पैदा होने की आशंका रहेगी। बिजनेस पार्टनरशिप में भी जल्दबाजी से फैसला लेने से बचें। किसी बड़े निवेश या आर्थिक लेन-देन को फिलहाल टालना आपके लिए बेहतर हो सकता है। भावनाओं में आकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें और हर मामले में दूसरे पक्ष की बात भी समझने का प्रयास करें।

कुंभ राशि- कुंभ राशि में ही राहु और चंद्रमा की युति बनने के कारण इस राशि के जातकों को मानसिक स्तर पर अधिक सतर्क रहना होगा। मन में असमंजस और बेचैनी रह सकती है, जिसकी वजह से निर्णय लेने में परेशानी महसूस हो सकती है। कभी-कभी आप खुद को दूसरों से भावनात्मक रूप से दूर भी महसूस कर सकते हैं। प्रेम संबंध, संतान और शिक्षा से जुड़े मामलों में धैर्य बनाए रखें। किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले परिस्थितियों को अच्छी तरह समझना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मीन राशि- मीन राशि में शनि की मौजूदगी और इससे पिछली राशि कुंभ में राहु-चंद्रमा की युति का प्रभाव इस राशि के जातकों पर पड़ सकता है। कार्यस्थल पर तनाव और जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ने की संभावना है। काम के दौरान छोटी-छोटी बातों को लेकर चिंता करने से बचें। स्वास्थ्य के मामले में भी लापरवाही न बरतें। नींद प्रभावित हो सकती है और बेवजह की चिंताएं मन को परेशान कर सकती हैं। खुद को आराम देने के साथ पर्याप्त नींद लेने पर ध्यान दें।

नकारात्मक प्रभाव से बचने के ज्योतिषीय उपाय- ग्रहण के दौरान और उसके बाद भगवान शिव का ध्यान एवं पूजन करें। श्रद्धानुसार 'ॐ नमः शिवाय' या महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया जा सकता है। मन को स्थिर और शांत रखने के लिए 'ॐ सोमाय नमः' मंत्र का जाप करें। ग्रहण समाप्त होने के बाद अपनी सामर्थ्य के अनुसार सफेद वस्तुओं का जरूरतमंद व्यक्ति को दान करें। शिवलिंग पर जल में थोड़ा कच्चा दूध मिलाकर अर्पित करें और भगवान शिव से मानसिक शांति की प्रार्थना करें।

भारत की त्रिसा-गायत्री को बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मिला

15 साल बाद विमेंस डबल्स में मेडल आया

ब्रह्मास्त्र ›› नई दिल्ली

भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल मिला है। यह जोड़ी शनिवार को विमेंस डबल्स का सेमीफाइनल हार गई। उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 जोड़ी चीन की लियू शेंग शू और टैन निंग ने 18-21, 21-13, 21-8 से हराया।

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में एक घंटे 11 मिनट तक चले इस मैच में भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया। लेकिन, बाकी को दो गेम गंवा बैठी। भारत को 15 साल बाद विमेंस डबल्स कैटेगरी में मेडल मिला है। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने ब्रॉन्ज दिलाया था।

त्रिसा-गायत्री वर्ल्ड चैंपियनशिप के मेडल विनर क्लब में शामिल- त्रिसा-गायत्री उन चुनिंदा भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गईं, जिन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप के पोडियम पर जगह बनाई है। गायत्री ने कहा, ह्यउस क्लब में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। अभी लंबा सफर बाकी है। यह सिर्फ शुरूआत है। हमें इस सफलता को आत्मविश्वास के साथ आगे ले जाना है।

भारत लगातार 11 एडिशन से मेडल जीत रहा- भारत ने 2011 से लगातार 11 वर्ल्ड चैंपियनशिप एडीशन में कम से कम एक मेडल जीता है। भारत को पहला मेडल (ब्रॉन्ज) 1983 में प्रकाश पादुकोण ने दिलाया था। एकमात्र गोल्ड पीवी सिंधु ने जीता है। अब भारत के वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल की संख्या 16 हो गई है। इनमें एक गोल्ड, 4 सिल्वर और 11 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

भारतीय जोड़ी ने एक घंटे 11 मिनट संघर्ष किया- पहला गेम में भारतीय जोड़ी एक समय 16-18 से पीछे थी, लेकिन इसके बाद लगातार 5 अंक जीतकर शानदार वापसी की। उसने गेम 21-18 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में त्रिसा-गायत्री 8-10 से पीछे चल रही थीं। फिर इंडियन पेयर ने लगातार अंक लेकर ब्रेक तक 11-10 की बढ़त ली।

किसने क्या कहा?

गायत्री ने कहा- 'हम थोड़ा ज्यादा कॉन्फिडेंट थे' गायत्री ने मैच के बाद कहा, पहले गेम में हम थोड़ा ज्यादा कॉन्फिडेंट थे। दूसरे गेम में चीनियों ने बहुत धैर्य के साथ खेला। वे काफी शांत थीं। हम जल्दबाजी कर रहे थे और सिर्फ अंक लेना चाहते थे। हम अपने खेल से खुश हैं। पूरा टूर्नामेंट हमारे लिए शानदार रहा।' त्रिसा जॉली बोली- आज हमारा दिन नहीं था- त्रिसा ने कहा, 'आज हमारा दिन नहीं था। पहले गेम में जीतने के बाद दूसरे गेम की शुरूआत में भी हमारा कंट्रोल था। फिर प्रतिद्वंद्वियों ने रिदम हासिल कर लिया और हम खो बैठे।' उन्होंने आगे कहा, 'वे अंक में बढ़त बना रही थीं और हम उनकी बराबरी नहीं कर पा रहे थे। वे रैलियों के दौरान धैर्य से खेल रही थीं, जिससे उन्हें फायदा मिला।' त्रिसा-गायत्री इस साल अब तक ज्यादा टूर्नामेंट नहीं खेल सकी थीं। त्रिसा को अप्रैल में टखने में चोट लगी थी, जिसके कारण दोनों का शेड्यूल सीमित रहा।

कोच गोपीचंद ने कहा- 'दोनों ने हमें गर्व महसूस कराया'

भारत के चीफ कोच पुलेला गोपीचंद से जब पूछा गया कि इस समय उन्हें पिता होने पर ज्यादा गर्व है या कोच होने पर, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि दोनों। जब मैं कोर्ट पर होता हूं, तो मेरे अंदर का कोच सामने होता है, लेकिन बाहर पिता होता है।' पुलेला ने कहा, त्रिसा और गायत्री दोनों ने हमें गर्व महसूस कराया। उन्होंने बहुत अच्छी लड़ाई लड़ी और मैं मेडल से खुश हूं। निश्चित तौर पर मैं उन्हें फाइनल में देखना चाहता था, लेकिन उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने टॉप खिलाड़ियों को हराया है, इसलिए यह शानदार प्रदर्शन रहा।

मैच के दौरान पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मौत

ब्रह्मास्त्र ›› पुर्तगाल

पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह शनिवार को लिस्बन में थर्ड-टियर क्लब रियल स्पोर्ट क्लब और टॉप-फ्लाइट टीम एस्ट्रेला दा अमाडोरा के बीच प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे। कास्त्रो के मैदान पर गिरने के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की। कास्त्रो मैच के शुरूआती मिनटों में अचानक मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई। कास्त्रो रियल स्पोर्ट क्लब के लिए खेल रहे थे। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके परिवार, दोस्तों और रियल स्पोर्ट क्लब के प्रति संवेदना जताई। वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन के पूर्व खिलाड़ी क्यूविन कास्त्रो की 25 साल की उम्र में मौत हो गई।

विमेंस हॉकी वर्ल्डकप भारत की ऑस्ट्रेलिया से भिड़ंत

ब्रह्मास्त्र ›› एम्सटेलवीन

विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप में भारत का सामना आज ऑस्ट्रेलिया से होगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। पूल-ए का यह मुकाबला रात 10:30 बजे शुरू होगा।

टीम इंडिया को जीत के साथ यह भी उम्मीद करनी होगी कि इससे पहले होने वाले मुकाबला चीन, नीदरलैंड के खिलाफ हार जाए। अगर चीन जीता, तो भारत अपना मैच जीतकर भी टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा। नीदरलैंड 6 अंक के साथ सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। चीन के 2 अंक है, जबकि भारत और ऑस्ट्रेलिया के 1-1 अंक है। तीनों टीमों के लिए यह मैच करो या मरो है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों ने इस साल चार मैचों की सीरीज खेली थी। इनमें भारत ने 2 मुकाबले जीते थे, जबकि 2 में उसे हार मिली। सीरीज दो-दो से ड्रॉ रहा था। भारत को पिछले मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ 0-2 से हार मिली थी। इसके बावजूद भारतीय डिफेंस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। नीदरलैंड ओपन प्ले से एक भी गोल नहीं कर सकी।

खबर एक नजर...

महिदपुर पुलिस की निगरानी गुंडे-बदमाशों को चेतावनी

उज्जैन। आगामी दिनों में सावन माह का आखरी सोमवार होने पर ग्रामीण क्षेत्रों शाही सवारी निकाली जायेगी। वहीं ईद पर्व के साथ रक्षाबंधन, जन्माष्टमी का पर्व भी मनाया जायेगा। सभी पर्व-त्यौहारों को सौहार्द्रपूर्ण वातावरण और बिना विघ्न के पूरा करने को लेकर महिदपुर पुलिस ने शनिवार को मैदान संभाला। थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने टीम के साथ तहसील के निगरानी गुंडे-बदमाशों और संपत्ति संबंधित अपराधियों के साथ सौहार्द्र बिगाड़ने वाले आरोपियों को चिन्हित किया और चैकिंग अभियान चलाकर सभी को थाने बुलाया। 10 गुंडे, 15 निगरानी, 15 संपत्ती संबंधी, 20 चिन्हित व्यक्तियो को चेतावनी दी गई कि अगर किसी ने भी सौहार्द्र बिगाड़ा या अपराधों को अंजाम दिया तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

ट्रेन में महिला यात्री का पर्स झपटकर भागा बदमाश

उज्जैन। गुजरात के भरूच का रहने वाला परिवार उधना-प्रयागराज एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में सवार होकर महाकाल दर्शन करने उज्जैन आ रहा था। ट्रेन के मेघनगर-थांदला आउटर पहुंचने पर रफ्तार धीमी हुई, उसी दौरन एक बदमाश ने परिवार की महिला का पर्स झपटा और कूद कर भाग निकला। परिवार ने शोर मचाया, लेकिन बदमाश हाथ नहीं लग पाया। ट्रेन के उज्जैन पहुंचने पर संदीप पिता प्रभुनाथ ओझा ने जीआरपी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और बताया कि पर्स उसकी पत्नी सपना का था। ट्रेन में उनके साथ भाई और उसकी पत्नी थी सवार थे। पर्स में सोने की चेन-अंगूठी, मोबाइल और 5 हजार रुपए नगद रखे थे। जीआरपी ने मामले में प्रकरण दर्ज कर मोबाइल नम्बर के आधार पर लोकेशन ट्रेस कर बदमाश का पता लगाने के प्रयास शुरू किये है।

पानी का केम्पर रखने से मना करने पर मारपीट

उज्जैन। बिरलाग्राम थाना क्षेत्र के विद्यानगर में पानी का केम्पर रखने से मना करने पर विवाद हो गया। मामला मारपीट में बदला और जान से मारने की धमकी तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि सुजीत पिता लक्ष्मण साहू 31 साल निवासी चौथ माता का मंदिर विद्यानगर पानी के केम्पर लगाने का काम करता है। उससे शशिकेश पिता लल्लन खरवार निवासी अशोकनगर ने अपने घर पर पानी का केम्पर रखने की बात कहीं। सुजीत ने पुराने पैसे जमा करने पर ही केम्पर रखने की बात कहीं तो दोनों के बीच विवाद हुआ। मामले में पुलिस ने दोनों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। सुजीत का कहना था कि पूर्व में पैसे नहीं दिये थे और विवाद किया था।

पैसे देने से मना करने पर चाकू मारकर भाग बदमाश

उज्जैन। कार्तिक नगर पंचक्रोशी मार्ग रेलवे क्रासिंग के पास रहने वाला मिथुन पिता कैलाश भालसे 38 साल घर के बाहर अपने पालतू डॉग को घूमा रहा था। उसी दौरान क्षेत्र का रहने वाला जय प्रजापत आया और मिथुन से एक हजार रुपए मांगने लगा। मिथुन ने रुपए देने से मना कर दिया। जय ने पाइप से मारपीट शुरू कर दी, शोर सुनकर परिवार के लोग मिथुन को बचाने के लिये आये, तभी जय ने चाकू से हमला किया और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। परिवार के लोग घायल मिथुन को उपचार के लिये चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायल के बयान दर्ज किये और अवैध वसूली का मामला दर्ज कर बदमाश की तलाश शुरू की।

गलत पहचान बताकर कराया 30 हजार का ट्रांजेक्शन

उज्जैन। तराना के ग्राम मालीखेड़ी में रहने वाला गौतम पिता महेशचंद्र परमार 15 अगस्त को दर्शन करने उज्जैन आया था। इस दौरान गुदरी चौराहा से गुजरते समय उसके मोबाइल पर कॉल आया। गौतम ने कॉल रिसिव किया तो उसे कॉल करने वाले ने बातों में उलझा लिया और गलत पहचान बताकर कहा कि आपके मोबाइल पर ओटीपी भेजा है, उसे बता दो। गौतम ने ओटीपी बता दिया, कुछ देर बाद उसके खाते से 29 हजार 990 रुपए का ट्रांजेक्शन हो गया। अपने साथ धोखाधड़ी होने का पता चलते ही गौतम ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। जहां से मामला खाराकुआ थाना पुलिस के पास पहुंचा। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

मकान बनाने की बात पर 2 परिवारों में विवाद

उज्जैन। बड़नगर के शाहजीलालपुरा में रहने वाले समीर पिता शहीदउद्दीन ओर फरीद पिता आमिन शेख के बीच मकान बनाने की बात को लेकर विवाद हो गया। दोनों के बीच गाली-गलौच शुरू हो गई और परिवार भी आमने-सामने हो गया। विवाद मारपीट में बदला और दोनों परिवार के लोग घायल हो गये। बड़नगर पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है। फरीद शेख का आरोप था कि वह मकान का निर्माण कर रहा है। समीर मनाने बनाने से रोक रहा था, जिसके चलते विवाद हुआ है।

1000 बच्चों ने 21 लाख बार किया 'ॐ नमः शिवाय' का जाप

उज्जैन। सावन माह में नई पीढ़ी को आध्यात्म, संस्कार और सनातन संस्कृति से जोड़ने के लिए श्री हरि आध्यात्मिक सनातन सेवा संस्था द्वारा मारुतिगंज स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र जाप का आयोजन किया गया। यहां लगभग 1000 बच्चों और 50 से अधिक स्टॉफ ने सवा घंटे तक साधना करते हुए करीब 21 लाख बार मंत्र जाप किया। वाल्मीकि धाम के पीठाधीश्वर व राज्यसभा सांसद उमेशनाथ महाराज के मार्गदर्शन में यह आयोजन विगत 11 वर्षों से सतत रूप से किया जा रहा है। इस अवसर पर सांसद उमेशनाथ महाराज ने कहा कि आध्यात्म और सनातन हमारी ऊर्जा है।

मार्केट में चना दाल के दाम भी गर्माए, बेसन भी महंगा हुआ

शकर 70 रुपये प्रतिकिलो हुई तो चाय, मिठाई के बढ़े दाम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शकर के दाम बढने के साथ ही बाजार में एक दम से तड़के की स्थिति खाद्य सामग्री के दामों में आने लगी है। पिछले 10 दिनों में ही शकर में 21 रूपए तक उछाल सामने आया है। इसके साथ ही चाय एवं मिठाई के दाम में भी गर्मी आने लगी है। दालों के दामों में भी शनिवार को तड़का लग गया है और चना दाल 80 पार पहुंच गई है तो बेसन 90 प्लस हो गया है। तुअर दाल ने भी रंग दिखा दिया है130 पर जा पहुंची है।

दाम बढ़ने से स्वाद में अब शकर गरीब को कड़वी लगने लगी है। पिछले दस दिन में 21 रुपये तक इसके दाम उछले हैं। शनिवार को बाजार खुलने के साथ शकर 70 रुपए में मांग के साथ लेवाली हुई है। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही चना और तुअर दाल ने भी अपना रंग दिखा दिया। उत्पादन की स्थितियों के बाजार में ओपन होते ही दाम में गर्मी बनने लगी । चना दाल शाम तक 80 रूपए प्रति किलो एवं तुअर दाल 130 रूपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। बेसन भी 90 रूपए प्रति किलो पर जा पहुंचा था।

दाम बढ़ोतरी का भार बढ़ा- हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार ने यात्री बसों में किराया में 40 प्रतिशत दर बढ़ाई थी जिसकी वसूली आदेश के साथ ही होना शुरू हो गया था। इसके बाद खाद्य वस्तुओं शकर, तेल, दालों के दामों में तड़का लगते ही वसूली शुरू हो गई है। इसके चलते आम उपभोक्तता पर दाम बढ़ोतरी का भार एक दम से बढ़ा है। इस कारण से आम उपभोक्ता का बजट गड़बड़ाने की स्थिति बन गई है।

तीन क्वालिटी की शकर- बाजार में लगातार दाम बढ़ने से शकर का भंडारण भी होने लगा है। प्रतिदिन दाम बढ़ने से खुदरा बाजार पर असर दिखाई देने लगा है। बाजार में तीन अलग-अलग क्वालिटी की शकर पहुंचती है। महाराष्ट्र के शकर कारखाने की शकर बाजार में अधिक बिकती है, लेकिन कम दाम वाली शकर की मांग अधिक होने से शकर व्यापारी महाराष्ट्र से मध्यम क्वालिटी की शक्कर अधिक डिमांड पर बुलाते हैं।

इस बार भी त्यौहार पर ही बढ़े दाम

इधर व्यापारियों में चर्चा है कि हर बार की तरह इस बार भी त्यौहारों के नजदीक आते ही उसमें उपयोगी शकर, चना दाल, तुअर दाल में दाम की बढोतरी सामने आ रही है। व्यापारियों के अनुसार पूर्व में भी त्यौहारों के आसपास ही तेल एवं अन्य खाद्य सामग्रियों के दाम बढे थे। इसी प्रकार दिपावली के आसपास सोना-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव सामने आया था।

चाय दुकानों पर चढ़े दर

शकर के दाम चढ़ने के साथ ही चाय दुकानों के संचालकों ने चाय के दाम में तड़का लगा दिया है। पुराने शहर के कुछ क्षेत्रों में दाम में सीधे-सीधे 7-8 रूपए कट चाय 10-12 रूपए एवं फूल चाय 15-20 रूपए कर दी गई है। ताजी मिठाई की दुकानों पर भी दर वृद्धि प्रति किलो के मान से कर दी गई है। खास तो यह है कि कुछ दुकानों पर ग्राहकों से बढ़ी हुई राशि की वसूली भी शुरू कर दी गई है।

दाम बढ़ोतरी मजबूरी

चाय की दुकान से लेकर बड़ी मिठाई की दुकानों तक सभी को अपनी लागत बढ़ानी पड़ रही है। त्योहारों का समय नजदीक होने के कारण यह मूल्य वृद्धि और भी चिंताजनक है। क्योंकि इस दौरान मिठाईयो और अन्य शकर आधारित उत्पादों की मांग बढ़ जाती है। मिठाई व्यापारियों ने कहा कि अगर शकर के भाव कम नहीं होंगे तो मिठाइयों के दाम बढ़ाना मजबूरी होगी। दूध, मावे के साथ अन्य खाय पदार्थों में भी लगातार चढ़ोतरी देखती जा रही है।

माकडोन में बरामद की गई 405 बल्क लीटर शराब

गुजरात शराब कांड के बाद अवैध परिवहन पर शिकंजा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

गुजरात में पार्टी के दौरान उज्जैन से पहुंचाई गई शराब से 11 लोगों की मौत और दर्जनों के अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आने के बाद उज्जैन जिले में अवैध परिवहन पर शिकंजा कसा जा रहा है। 2 दिनों में माकडोन पुलिस ने 405 बल्क लीटर शराब बरामद की है।

माकडोन पुलिस कस्बे और देहात क्षेत्रों में डेरों की चैकिंग और अवैध शराब परिवहन करने वालों की तलाश में लगी है। शुक्रवार-शनिवार रात को चैकिंग के दौरान खबर मिली कि स्कार्पियों एमपी 09 सीएच 0056 से अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। थाना प्रभारी प्रदीपसिंह राजपूत ने टीम के साथ कडोदिया-रूपाखेड़ी मार्ग पर नाकाबंदी की। रूपाखेड़ी मार्ग स्थित सकत माता मंदिर के सामने से एक स्कार्पियों तेजगति में आती दिखाई दी। पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, चालक ने दिशा बदलकर भागने का प्रयास किया लेकिन आगे रास्ता नहीं होने पर स्कार्पियों छोड़ अंधेरे में भाग निकला। पुलिस तलाशी के दौरान स्कार्पियों में 8 बोरे रखे मिले। 6 बोरों में देशी शराब के 15 सौ क्वार्टर और 2 बोरों में गोवा ब्रांड शराब के 400 क्वार्टर बरामद हो गये। थाना प्रभारी के अनुसार स्कार्पियों नम्बर के आधार पर रजिस्ट्रेशन भगवान पिता मानसिंह निवासी डाबडा राजपूत के नाम होना सामने आई है। बरामद शराब 1.72 लाख और गाड़ी कीमत 10 लाख सामने आई है। इससे पहले चैकिंग के दौरान रात में ही ग्राम रुपाखेड़ी-माकड़ोन रोड कढ़ाई फंटा के पास एक व्यक्ति बाइक के साथ खड़ा दिखाई दिया था। पुलिस के पास पहुंचती वह उससे पहले वह बाइक पर रखा बोरा छोड़कर भाग निकला। बोरा खोलने पर उसमें देशी शराब के 350 क्वार्टर भरे होना सामने आये। जिसकी कीमत 31 हजार से अधिक थी। बाइक लेकर भागे व्यक्ति की जानकारी जुटाने पर पता चला कि ग्राम रूपाखेड़ी का रहने वाला कमल पिता गोविन्द जायसवाल था। फिलहाल दोनों मामलों में धारा 34(2) आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पारिवारिक विवाद में महिला ने खाया जहर, मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पारिवारिक विवाद में महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसकी उपचार के दौरान शनिवार को मौत हो गई। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। परिजनों के बयान दर्ज किये जायेगें।

चिंतामण गणेश थाना क्षेत्र के ग्राम बमोरा में रहने वाली खुशी पति दरबारसिंह उर्फ बबलू 30 साल को शुक्रवार शाम जहरीला पदार्थ खाने से बिगड़ी हालत के बाद निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां शनिवार को उसकी मौत हो गई। एसआई सीएल माले ने बताया कि सूचना मिलने पर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। प्रारंभिक जांच में मामला पारिवारिक विवाद का सामने आया है। परिजनों ने बताया कि खुशी सालभर के बच्चे की मां थी। पति ड्रायवरी करता है। पारिवारिक विवाद होने पर उसने आत्मघाती कदम उठाया है। तीन साल पहले ही शादी हुई थी। खुशी के माता-पिता नहीं है उसका एक भाई अहदाबाद में रहता है। एसआई माले के अनुसार मामले में जांच की जा रही है। परिजनों के बयान दर्ज कर पारिवारिक विवाद का पता लगाया जायेगा।

शौचालय में मृत पड़ा मिला वृद्ध

नृसिंह घाट स्थित शुलभ कॉम्पलेक्स के शौचालय में शनिवार शाम एक वृद्ध की लाश पड़ी होने की खबर मिलने पर महाकाल थाना पुलिस घटनास्थल पहुंची थी। मृतक हुलिये से साधु दिखाई दे रहा था, उसके पास से पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला। मौत की वजह सामान्य प्रतीत हो रही थी, फिलहाल शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रख मर्ग कायम किया गया और पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं।

गिरफ्त में छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

स्कूल जाते समय छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी 20 दिन बाद पुलिस की गिरफ्त में आ गया। आरोपी ने छेड़छाड़ के बाद अपने साथियों के साथ मिलकर छात्रा को बदनाम करने की धमकी देकर रूपयों की मांग भी की थी।

महिदपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि 20 दिन पहले कस्बे की रहने वाली 15 वर्षीय छात्रा ने परिजनों के साथ आकर शिकायत दर्ज कराई थी कि स्कूल जाते समय उसके साथ रास्ते में समीर पिता मोहम्मद रफीक खान निवासी दर्जी बाखल द्वारा छेड़छाड़ की जाती है। यहीं नहीं उसके साथियों शाहिद, सोहेल और साहिल घर आकर फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रूपयों की मांग करते है। मामला नाबालिग छात्रा से जुड़ा होने और गंभीर प्रवृति का होने पर तत्काल प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई थी। 2 अगस्त को आरोपी शाहिद, साहिल और सोहेल को गिरफ्तार कर लिया गया था। समीर खान लगातार फरार चल रहा था। जिसे 20 दिन बाद गिरफ्तार कर लिया गया। जिसे कोर्ट में पेश किया था, जहां से न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश जारी होने पर उपजेल महिदपुर में दाखिल कराया गया है।

शिवोत्सव श्रावण कला उत्सव में आज गूंजेगा शिव भक्ति का संगीत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

श्रावण-भादौ मास के पावन अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति, उज्जैन द्वारा मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के समन्वय से शिवोत्सव श्रावण कला उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उत्सव के अंतर्गत 23 अगस्त 2026 को शाम 7 बजे से शक्तिपथ, त्रिवेणी संग्रहालय के सामने, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण, उज्जैन में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। कार्यक्रम में प्रसिद्ध शिव भजन गायक हंसराज रघुवंशी अपनी लोकप्रिय शिव भक्ति रचनाओं की प्रस्तुति देंगे।

हिरासत में आने पर खुला 2 ओर चोरियों का राज

झाबुआ के बदमाश ने चुराये थे आईटीआई से कैमरे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

दशहरा मैदान क्षेत्र से झाबुआ के बदमाश को पकड़ा गया, जो 3 माह पहले आईटीआई से 11 कैमरे चोरी करने की वारदात में फरार था। बदमाश के हिरासत में आने पर पूछताछ में 2 अन्य चोरी की वारदात का ओर खुलासा हो गया।

माधवनगर थाना क्षेत्र के मक्सीरोड स्थित महिला आईटीआई से 9 मई की रात अज्ञात बदमाश द्वारा 11 कैमरे और कुछ उपकरण चोरी कर लिये गये थे। पुलिस ने प्राचार्य विवेक मिश्रा की शिकायत पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज किया था। फुटेज में संदिग्ध दिखाई दिया था, लेकिन गिरफ्त में नहीं आ सका था। शुक्रवार रात दशहरा मैदान पीजीबीटी कॉलेज के पास एक संदिग्ध युवक के घूमने की सूचना मिलने पर पुलिस धरपकड़ के लिये पहुंची तो युवक ने पुलिस को देख भागने का प्रयास किया, उसे पीछा कर पकड़ा गया और थाने लाया गया, जहां पूछताछ में उसका नाम मिथुन पिता सुरेश भील 20 साल निवासी नाराखेड़ी थाना पेटलावद झाबुआ सामने आया। सख्ती करने पर उसने पूर्व में आईटीआई से कैमरे चोरी की वारदात कबूल कर ली। चोरी का खुलासा होने पर अन्य मामलों में पूछताछ की गई तो थाना क्षेत्र में 2 अन्य स्थानों से नगदी चोरी करना भी स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर 4 कैमरे और कुछ नगदी बरामद की गई है। थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया ने बताया कि आरोपी से 3 चोरियों को खुलासा हुआ है। फिलहाल पूछताछ जारी है, रविवार को न्यायालय में पेश किया जायेगा।

दिन में नौकरी, रात में चोरी

बताया जा रहा है कि आरोपी पिछले कई महिनों से उज्जैन में निवास कर रहा है और यातायात थाने के सामने ऋषिनगर क्षेत्र में सीमेंट सरिये की दुकान पर काम करता है। दिन में वह नौकरी करता था और रात में चोरी को अंजाम देता था। पुलिस वारदातों में उसके साथियों की जानकारी भी जुटा रही है। वहीं इस बात का पता लगाया जा रहा है कि उसने चोरी किये गये कैमरे कहां बेचे है।

कानीपुरा मार्ग पर पुलिस घेराबंदी में पकड़ाये तीन युवक

कार की डिक्की में मिले 53 किलो गांजे के पैकेट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

उड़ीसा से लाया गांजा ठिकाने लगाने के लिये शुक्रवार-शनिवार रात निकले 3 युवकों को पुलिस ने घेराबंदी कर हिरासत में लिया। कार की डिक्की में गांजे के 25 पैकेट मिले। जिसमें 53 किलो 372 ग्राम गांजा भरा होना पाया गया। तीनों युवकों को कोर्ट में पेश कर 31 अगस्त तक रिमांड पर लिया गया है।

चिमनगंज थान प्रभारी विवेक कनोड़िया ने बताया कि रात में एसआई जयदीप राठौर को सूचना मिली थी कि बिना नम्बर की कार से 3 युवक गांजे की बड़ी खेप लेकर तराना जाने वाले है। सूचना पर एसआई जयदीप राठौर, दिनेश भाट, प्रधान आरक्षक पियुष मिश्रा, कपिल राठौर, आरक्षक आनंद मिश्रा, जगदीश, रवि पटेल, अभिषेक, भूपेश, दीपक पटेल के साथ कानीपुरा मार्ग पर घेराबंदी की गई। करीब आधे घंटे की नाकाबंदी के बाद बिना नम्बर की हुंडई ऑरा कार आती दिखाई दी। जिसे निमार्णाधीन श्री साईंकुंज कालोनी के सामने रोक लिया गया। कार में आदर्श पिता रमेशचंद्र नायक निवासी इटावा तराना हाल मुकाम राज रॉयल्स कालोनी, तेजस पिता बहादूर वर्मा देवनगर उज्जैन और साहिल पिता हाकिम हैला बड़ा मोहल्ला पानबिहार घट्टिया सवार थे। तीनों को हिरासत में लिया गया और कार की तलाशी ली गई। डिक्की में सूटकेस और बेग रखा था, जिसे खोलने पर 25 पैकेट भरे थे। मौके से कार जप्त कर तीनों को थाने लाया गया। जहां पैकेट में भरा गांजा 53 किलो 372 ग्राम पाया गया। तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया गया। शनिवार दोपहर कोर्ट में पेश कर 31 अगस्त तक रिमांड पर लिया गया है।

ट्रेन से उतारकर रखा था कार में

तीनों युवकों से प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि साहिल और तेजस उड़ीसा गये थे, जहां से गांजा ट्रेन के माध्यम से मक्सी तक लाया गया था। जहां आदर्श अपनी कार लेकर पहुंचा था, तीनों मक्सी से गांजा उज्जैन लेकर आये थे। उसके बाद राज रॉयल्स कालोनी आदर्श के यहां पहुंचे थे। जहां से तीनों तराना जाने के लिये निकले थे। आदर्श तराना में गांजा ठिकाने लगाने वाला था। बताया यह भी जा रहा है कि पूर्व में भी 2 से 3 बार गांजे की खेप लेकर आ चुके है। पुलिस के अनुसार तीनों के खिलाफ पूर्व में एक-एक मामले मारपीट के दर्ज होना सामने आये है।

तराना-उड़ीसा जायेगी पुलिस टीम

रिमांड पर लिये गये गांजा तस्करी करने वालों से पूछताछ में तराना के एक व्यक्ति नाम सामने आया है, जिसे गांजा दिया जाना था। पुलिस की एक टीम उसकी धरपकड़ के लिये तराना भेजी जायेगी। वहीं एक टीम उड़ीसा रवाना की जा सकती है, जहां गांजा उपलब्ध कराने वालों की तलाश कर गिरफ्तारी का प्रयास किया जायेगा। पुलिस का पता चला कि तीनों फुटकर में गांजा बेचने का काम भी करते थे। उनसे गांजा खरीदने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com